सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 349 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 01 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में रजिस्ट्री हुई 'स्मार्ट'- नवा रायपुर में शुरू हुआ देश का पहला आधूनिक स्मार्ट रजिस्ट्री कार्यालय

15 से 20 मिनट में पूरी होगी पंजीकरण प्रक्रिया, एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से नागरिकों को मिलेगा आरामदायक अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की पहल पर, नवा रायपुर के अटल नगर में देश के पहले अत्याधुनिक स्मार्ट पंजीयन कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर रायपुर की वीणा देवांगन ने सेल डीड कराई और डिजिटल भुगतान किया। उनकी रजिस्ट्री को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में कैशलेस भुगतान कराकर प्रदर्शित किया गया। यह कार्यालय पीपीपी मॉडल पर तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य नागरिक सेवाओं को तेज, पारदर्शी और आधुनिक मानकों के अनुरूप बनाना है। अब मकान, दुकान या जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए भीड़-भाड़ वाले सरकारी दफ्तरों में जाने की बजाय, नागरिक 12 से 15 मिनट में पासपोर्ट और एयरपोर्ट कार्यालय जैसे माहौल में अपनी रजिस्ट्री करा सकेंगे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस, नागरिकों को मिलेगा बेहतर अनुभव

नए स्मार्ट पंजीयन कार्यालयों को नागरिकों को सुखद और सुविधाजनक अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी मुख्य विशेषताओं में अत्याधुनिक और वातानुकूलित परिसर शामिल है, जहाँ नागरिक आराम से अपनी बारी का इंतजार कर सकेंगे। यहाँ फ्री वाई-फाई और चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध हैं, ताकि लोग अपने समय का सदुपयोग कर सकें। क्यू-मैनेजमेंट सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड की मदद से लंबी लाइनों से छुटकारा मिलेगा और दस्तावेज़ों व शुल्क की जानकारी तुरंत मिल जाएगी। प्रशिक्षित हेल्पडेस्क स्टाफ हर कदम पर नागरिकों की सहायता करेंगे। स्वच्छ पेयजल और एयरपोर्ट-स्टाइल वाशरूम से स्वच्छता और सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है।

117 पंजीयन कार्यालयों को स्मार्ट बनाने का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ सरकार ने अगले एक वर्ष के भीतर प्रदेश के सभी 117 पंजीयन कार्यालयों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने का लक्ष्य रखा है। पहले चरण में 10 कार्यालयों को विकसित किया जा रहा है, जिनमें से नवा रायपुर का यह कार्यालय पूरी तरह तैयार हो चुका है। इस मॉडल की सफलता को देखते हुए भारत सरकार भी इसी तर्ज पर देशभर में पंजीयन कार्यालयों को विकसित करने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्मार्ट पंजीयन कार्यालय प्रदेश में सुशासन और नागरिक सुविधाओं के नए युग की शुरुआत है। यह पहल छत्तीसगढ़ को एक कल्याणकारी राज्य के रूप में और अधिक सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल इस बात को रेखांकित करती है कि नागरिक सुविधा ही सुशासन का मूल आधार है।

पूरे देश में नागरिक सुविधाओं का एक नया मॉडल

उप मुख्यमंत्री अरुण साव व विजय शर्मा ने इस मौके पर विभागीय मंत्री एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पहल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में नागरिक सुविधाओं का एक नया मॉडल है। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यालय में इतनी अत्याधुनिक सुविधाएँ निश्चित ही छत्तीसगढ़ में हो रहे बदलाव और सुशासन की नई दिशा को दर्शाती हैं। वहीं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि नागरिक सेवाएँ हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं और स्मार्ट पंजीयन कार्यालय सरकार की सुशासन तथा नागरिक सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह राज्य न केवल पंजीयन सेवाओं में बल्कि अन्य नागरिक सेवाओं में भी देश का नेतृत्व करेगा। स्मार्ट पंजीयन कार्यालय नागरिकों के जीवन में सहजता, पारदर्शिता और विश्वास लाएँगे तथा सुशासन की एक नई पहचान स्थापित करेंगे।

खास-खबर

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी प्रतियोगिता, विनर को मिलेंगे 10 हजार

बलौदाबाज़ार। वाइल्डलाइफ वीक 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 के अवसर पर, बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में कैप्चर टू कंजर्व विषय पर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। वन मंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर है। प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए प्रथम पुरस्कार 10,000, द्वितीय पुरस्कार: 7,000 और तृतीय पुरस्कार: 5,000 है।

प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके गूगल फॉर्म भरना होगा। फोटोग्राफी में छत्तीसगढ़ के वन्यजीवों और प्राकृतिक सौंदर्य को प्रदर्शित करना होगा। परिणाम की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। प्रतियोगिता के नियमानुसार केवल छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित वन्यजीव/प्रकृति फोटोग्राफ स्वीकार किए जाएँगे। इसके लिए प्रतिभागियों को सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भी भरना होगा।यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता हुई तो प्रविष्टियों को अस्वीकार किया जा सकेगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी फोटोग्राफी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के इच्छुक प्रतिभागी वन्यजीवों के संरक्षण में योगदान दे सकते हैं। पंजीयन के लिए लिंक https//docs.google.com/forms पर क्लिक कर तथा क्यूआर कोड स्कैन किया जा सकता है।

कोतबा लवाकेरा मार्ग में कोकिया नाला पर बनेगा उच्चस्तरीय पुल, 4 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। जशपुर जिले के कोतबा दूलावकेरा मार्ग पर कोकिया नाला में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए शासन से 4 करोड़ 14 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। क्षेत्र वासियों की मांग पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सराईटोली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान घोषणा की थी। सीएम साय ने घोषणा पूरी करते हुए कोकिया नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा अनुरूप जशपुर जिलेवासियों के लिए विकास का नया द्वार खुल गया। कोकिया नाला में उच्च स्तरीय पुल के निर्माण से न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी, बल्कि तीन राज्यों के बीच संपर्क और और भी अधिक मजबूत होगा। व्यापार, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यह मार्ग वरदान साबित होगा। आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी अब सुगमता से गुजर पाएंगे। कोतबा लवाकेरा मार्ग कोकिया नाला में उच्च स्तरीय पुल की मंजूरी मिलने के बाद ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र वासियों की यह बड़ी मांग थी, साथ ही यह सौगात जशपुर जिले के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पुल निर्माण पूरा होने के बाद यहां के ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा।

विकासशील बने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकास शील भारतीय प्रशासनिक सेवा 94 बैच के आईएएस अधिकारी ने मंगलवार को मंत्रालय, महानदी भवन में मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विकासशील छत्तीसगढ़ के 13वें मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले वे एशियन डेवलपमेंट बैंक, मनीला में कार्यकारी निदेशक के पद पर पदस्थ थे।

विकास शील को आईएएस बनने के बाद मध्य प्रदेश कैडर मिला था। नवंबर 2000 में मध्यप्रदेश राज्य के विभाजन के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला। वे कोरिया, बिलासपुर और रायपुर जिले के कलेक्टर रहे हैं। वे स्कूल शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सामान्य प्रशासन और स्वास्थ्य विभागों के सचिव पद पर तैनात रहे। इसके अलावा, वे अप्रैल 2007 से अप्रैल 2008 तक राजधानी रायपुर के कलेक्टर भी रहे हैं। वर्ष 2018 से वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भारत सरकार में रहे। उन्होंने केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में जल जीवन मिशन के मिशन डायरेक्टर के पद पर अपनी सेवायें दीं।

विकासशील का जन्म 10 जून 1969 को हुआ था। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बी.ई. और फिर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से एम.ई. किया। उन्होंने सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी, अमेरिका से लोक प्रशासन में मास्टर और एक्जीक्यूटिव मास्टर डिग्री और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन एवं नीति में एडवांस्ड स्टडी का सर्टिफिकेट कोर्स किया है।

भिलाई में मां के प्रेमी की बेटों ने कर दी हत्या, लिव इन रिलेशन में रह रही थी, बेटों को थी आपत्ति

- नंदिनी थाना क्षेत्र के अहिवारा की घटना, मंगलवार देर रात हुआ था विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में बेटों ने मां के प्रेमी की हत्या कर दी। दरअसल महिला अपने पति को छोड़कर अन्य व्यक्ति के साथ बिना शादी किए रह रही थी। मां के इस तरह दूसरे के साथ रहना मंजूर नहीं था और इसके कारण विवाद भी हुआ। मंगलवार देर रात बेटों ने मां के लिव इन पार्टनर की फावड़े से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। मामला नंदिनी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार अहिवारा निवासी महिला कुछ माह पूर्व पति से अलग हो गई। पति छोड़कर वह अहिवारा में ही बलविंदर नाम के शख्स के साथ रहने लगी। दोनों बिना शादी के साथ-साथ रह रहे थे। बताया जा रहा है कि महिला से मिलने के लिए बलविंदर उसी के घर पर आता था। इसे लेकर बेटों में नाराजगी थी। इसके कारण अक्सर विवाद भी हो रहा था। मंगलवार की रात को इनके बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बेटों ने फावड़े से बलविंदर को बुरी तरह मारा।

फावड़े के हमले से बलविंदर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बलविंदर को अस्पताल पहुंचाते उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में महिला के दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मामले में पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में हत्या का यह मामला घरेलू विवाद के कारण होना पाया गया है।

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा, जस की तस रहेगी लोन की ईएमआई

- एमपीसी की तीन दिन चली बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने दी फैसले की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को एमपीसी की तीन दिन चली बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि अनुकूल मानसून, कम मुद्रास्फीति और मौद्रिक नरमी से आर्थिक वृद्धि की संभावना मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसलों का एलान करते हुए कहा कि जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से महंगाई पर मजबूत असर पड़ेगा। इसके साथ ही उपभोग और विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने मौद्रिक नीति रुख को 'तटस्थ' पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

टैरिफके कारण दूसरी छमाही में थम सकती है विकास दर

अक्टूबर महीने की एमपीसी बैठक के फैसलों के बारे में बताते हुए केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घरेलू आर्थिक गतिविधियां गतिमान बनी रहेंगी। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि टैरिफ संबंधी घटनाक्रम से इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास दर में कमी आ सकती है। मल्होत्रा ने बताया कि जीएसटी और अन्य सुधार आर्थिक विकास पर बाहरी कारकों के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर देंगे। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत रेमिटेंस के कारण जारी वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा टिकाऊ रहने की उम्मीद है।

एमपीसी की सिफारिश के आधार पर आरबीआई ने खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के बीच फरवरी और अप्रैल में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की तथा जून में 50 आधार अंकों की कटौती की। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से नीचे चल रही है। खाद्य कीमतों में कमी और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण अगस्त में यह छह साल के निचले स्तर 2.07 प्रतिशत पर आ गई।

नीतिगत दरों में फरवरी 2025 से 100 आधार अंकों की हुई कटौती

फरवरी 2025 से आरबीआई नीतिगत दरों में 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है। जून में अपनी पिछली नीति समीक्षा में, उसने रेपो दर को 50 आधार अंकों की कटौती करके 5.5 प्रतिशत कर दिया था। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

न्याय की टालू प्रवृत्ति पर जताई चिंता

श्रीकंचनपथ

सुप्रीम कोर्ट की 11वीं महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सरकारी संस्थाओं पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि सरकारी संस्थाएं ऐसे मुकदमे लड़ रही हैं, जिनमें जीत की कोई संभावना नहीं होती। इससे देश के संसाधनों की बर्बादी हो रही है और अदालतों का कीमती समय भी खराब हो रहा है। भुवनेश्वर में राष्ट्रीय मध्यस्थता सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर सरकारी संस्थाएं बार-बार ऐसे मुकदमे करती रहीं, तो देश का पैसा और न्यायिक समय दोनों ही गलत दिशा में खर्च होते रहेंगे। इससे बेहतर मध्यस्थता का रास्ता अपनाएं। मध्यस्थता न्याय का कमजोर तरीका नहीं है, बल्कि समय पर, आसान और समान न्याय का एक नया तरीका है। यह सिर्फ फैसला पाने का नहीं, बल्कि न्याय तक पहुंचने का भी एक तरीका है। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरण विवादों के लिए 'ग्रीन मीडिएटर', स्वास्थ्य मामलों के लिए 'पेशेंट एडवोकेसी ग्रुप', बौद्धिक संपदा अधिकारों के लिए डब्लूएआइ जैसी प्रणाली और स्टार्टअप एग्रीमेंट्स में मध्यस्थता क्लॉज शामिल किए जाने चाहिए। नाबालिगों के मामलों में पीड़ित और आरोपी के बीच मध्यस्थता ट्रॉमा मध्यस्थों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। दरअसल, देश की अदालतों में फिलहाल 5.34 करोड़ से ज़्यादा मामले लंबित हैं। इनमें वकीलों का उपलब्ध न होना, आरोपी का फरार होना और गवाहों का गायब होना जैसे कई बड़े कारण शामिल हैं। लंबित 5.34 करोड़ मामलों में से 4.7 करोड़ मामले जिला और निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में 63.8 लाख तो सुप्रीम कोर्ट में भी 88,251 मामले लंबित हैं। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश जारी किया। उच्च न्यायालयों को भेजे गए सर्कुलर में साफकहा गया कि वकीलों की अनुपलब्धता के कारण सुनवाई को स्थगित नहीं किया जा सकता। अगर आरोपी और उनके वकील मिलकर कार्यवाही में देरी कर रहे हैं, तो उनकी जमानत रद्द करने पर विचार किया जाना चाहिए। मामलों को अदालत लेकर जाने की मुख्यत: दो वजहें होती हैं। या तो सुनवाई और न्याय के तमाम रास्ते बंद नजर आ रहे हों या फिर मामले को लंबा लटकाना हो। देश के कुछ अधिवक्ता तो मामलों को लटकाने के विशेषज्ञ माने जाते हैं। स्थिति तब और भी विकट हो जाती है जब एक पक्ष सरकार हो। सरकारी विभागों की जटिल कार्यप्रणाली जिसे कभी लाल फीताशाही कहा जाता था, आज भी दर्द देती है। कभी फाइल नहीं मिलती तो कभी जिम्मेदार नहीं मिलता। सरकार का वकील हफ्ते-दो-हफ्ते का समय मांगता रहता है और कोर्ट महीने-दो महीने की तारीख देती चली जाती है। अकसर मुद्दई केस लड़ते-लड़ते थक जाता है। कई बार तो उसकी मौत हो जाती है और उनके बच्चे और फिर उनके बच्चे केस लड़ते रह जाते हैं। इससे न्याय की अवधारणा ही ध्वस्त हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट की राय में तेज सुनवाई हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। यह अधिकार जीवन के अधिकार का अटूट हिस्सा है। मध्यस्थता इसका समाधान हो सकती है।

संपादकीय

बिहार में निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं युवा वोटर

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा पांच अक्टूबर के बाद किसी भी समय संभव है। वर्तमान में पूरे राज्य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों के बीच बैठकों, रैलियों और रणनीति को लेकर हलचल जमी हुई है। गांव-शहर से लेकर चौपाल, बाजार और चौक-चौराहे तक सिर्फ चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार की राजनीतिक परिस्थितियां कई बड़े बदलावों से गुजरी हैं, जिससे इस बार का चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। खासतौर पर सामाजिक समीकरण, गठबंधन की राजनीति, नेतृत्व का चेहरा और राज्य की मूलभूत समस्याओं के आधार पर माहौल काफी संवेदनशील और गतिशील है।

इस बार चुनाव में जनता के रुझान में स्पष्ट रूप से विभाजन दिख रहा है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष चुनाव को विकास, बिरादरी संतुलन और सामाजिक न्याय के नाम पर दांव पर लगा रहा है, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसान और शिक्षा व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बना रहा है। राज्य के युवा वर्ग में रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर व्यापक असंतोष है। सरकारी भर्तियों में देरी, संविदा व अस्थायी नियुक्तियों और प्रवासी मज़दूरों की समस्याएं चुनाव का स्वरूप बड़ी हद तक तय करेंगी। राजनीतिक दलों की अगर बात करें, तो वर्तमान सरकार गठबंधन के नेतृत्व में है, जिसमें कुछ पुराने और कुछ नए साथी एक साथ आए हैं। विपक्ष में भी महागठबंधन की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत लग रही है, जिसमें जातीय समीकरण और नेतृत्व क्षमता दोनों को संतुलित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता समर्थक अपने शासनकाल की उपलब्धियां, सड़क-बिजली-पानी के सुधार और कानून-व्यवस्था के मामलों को प्रमुखता से जनता के सामने गिनवा रहे हैं। वहीं विपक्ष राज्य में बढ़ती महंगाई, किसान ऋण और सरकारी नौकरियों की कमी को अपना अभियान बना रहा है।

इस बार चुनाव की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं की भूमिका को लेकर है। बड़ी संख्या में नौजवान वोटर राज्य की सामाजिक-आर्थिक सच्चाइयों को लेकर जागरूक हैं। शिक्षा, रोजगार, पलायन, तकनीकी विकास और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता के मुद्दे उनके एजेंडे में सबसे ऊपर हैं। शहरी व ग्रामीण इलाकों में आर्थिक असमानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रश्न फिर से चर्चा में लौट आए हैं। किसान भी चुनावी समीकरण के महत्वपूर्ण घटक होंगे। वर्षा और बाढ़, फसल बीमा, समर्थन मूल्य और कृषि विपणन की स्वायत्तता जैसे मुद्दे राज्य के गांवों तक गूंजते हुए नजर आ रहे हैं। महिला मतदाता इस बार भी अपने बजाय अधिक मुखर और जागरूक बनी हुई हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण, आरक्षण और कल्याण योजनाओं का कितना असर पड़ेगा, यह मतदान की दिशा तय करने में अहम होगा।

राज्य के कुछ इलाकों में जातीय तनाव या सामाजिक असंतोष भी देखने को मिला है, जिसको लेकर कई दल क्षेत्रीय और जातीय संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। अपराध दर, न्यायिक प्रक्रिया में देरी और जनता के बीच शासन-प्रशासन के चेहरे को लेकर भी संशय बना हुआ है। बिहार के गांवों में आज भी साख नेता की ही निर्णायक हो जाती है। मज़दूर हो, किसान हो, या छोटे व्यापारी, उनका समर्थन जीतना हर दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस बीच नए युवा चेहरे, सिनेमा, सोशल मीडिया और जमीनी रिपोर्टिंग ने भी मतदाता के सोच को प्रभावित किया है। जनता का मिजाज देखें तो इस बार वह किसी भी तरह के बहकावे या भावनात्मक शिगूफे से दूर, ठोस सवालों के जवाब तलाश रही है। राजनीतिक वादों की विश्वसनीयता, परिवारवाद, भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता बदलाव चाहती है या चल रहे योजनाओं को ही आगे बढ़ाना चाहती है, इसका जवाब परिणाम में ही दिखेगा। अब रही बात निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, झारखंड सहित सात राज्यों की खाली आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की, तो आयोग के पास संवैधानिक अधिकार है कि वह लंबित या रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर सकता है। हालांकि इसका निर्णय अक्सर राज्यों की स्थिति, राजनीतिक परिस्थिति, सुरक्षा हालात और न्यायिक प्रक्रियाओं के हिसाब से लिया जाता है। सूत्रों के अनुसार, आयोग लगातार इन राज्यों से रिपोर्ट ले रहा है और जल्द ही उपचुनाव की तिथि तय कर सकता है। चुनाव आयोग के उच्च सूत्रों का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद ही इन उपचुनावों की घोषणा भी संभव है, ताकि सभी राज्यों में चुनावी व्यवस्था सुचारू रूप से हो सके।

कुल मिलाकर बिहार का चुनावी माहौल बढ़ते राजनीतिक तनाव, सामाजिक बदलाव, और आर्थिक चुनौतियों से घिरा है। मतदाता इस बार कई स्तरों पर सोच-समझकर मतदान करेंगे, जिनमें आर्थिक विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, जातीय समीकरण, शिक्षा, और सुरक्षा मुख्य स्वरूप में निर्णायक बन सकते हैं। चुनाव आयोग की घोषणा और सभी दलों की अंतिम रणनीति चुनावी तस्वीर को पूरी तरह से साफ करेगी।

जीवनधारा नदियों के लुप्त होने का खतरा: संरक्षण का संकल्प

ललित गर्ग

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेजन, यांग्त्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व-रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है।

2005 में, संयुक्त राष्ट्र के 'जीवन के लिए जल दशक' की शुरुआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल-संरक्षण-संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही है। नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है।

अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेज़न, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव-जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी/सृष्टि की मृत्यु है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएँ तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है।

विशेषत: उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

विश्व नदी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि नदियां सूख जाएंगी, प्रदूषित हो जाएंगी या विलुप्त हो जाएंगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। नदियां हमारी जीवनरेखा और सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनका संरक्षण करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और आशा को बचाना है। यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का आह्वान करता है कि हम नदियों को केवल उपयोग की वस्तु न समझें, बल्कि जीवित प्राणी की तरह उनका सम्मान करें, क्योंकि नदी बचेगी तो जीवन बचेगा, नदी बहेगी तो संस्कृति बहेगी।

खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं से बढ़ेगा स्वरोजगार

युवा होंगे आत्मनिर्भर, बैंक ऋण के साथ मिलेगा शासन का अनुदान

जयन्त देवांगन, संयुक्त संचालक, सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक

मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और ग्रामीण उद्योगों को गति देने के प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा युवाओं और आम नागरिकों को स्वरोजगार तथा उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ऑनलाइन) और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ऑफ्लाइन) शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र आवेदकों को बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिस पर शासन की ओर से अनुदान भी दिया जाता है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रायोजित है। इसके अंतर्गत नकारात्मक उद्योगों को छोड़कर किसी भी ग्रामोद्योग इकाई की स्थापना हेतु बैंक ऋण स्वीकृत किया जाता है। योजना के तहत सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये तक और विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपये तक की परियोजनाओं को मंजूरी दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थियों को 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के लाभार्थियों को 25 प्रतिशत तक अनुदान का लाभ मिलता है। सामान्य वर्ग के पुरुषों के लिए यह दर क्रमश: 25 और 15 प्रतिशत है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरुषों को 10 प्रतिशत तथा अन्य वर्गों एवं महिलाओं को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान करना अनिवार्य है। ऋण राशि को सात वर्षों में ब्याज सहित आसान किस्तों में चुकाया जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और इसके लिए आवेदकों को https://www.kvi-conline.gov.in/pmegp/ पोर्टल पर पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, अंकसूची, निवास प्रमाणपत्र और प्रोजेक्ट रिपोर्ट अपलोड करनी होगी।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम राज्य शासन की पहल है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के ग्रामीण हितग्राहियों के लिए सेवा क्षेत्र में 1 लाख रुपये तक तथा विनिर्माण क्षेत्र में 3 लाख रुपये तक की परियोजनाओं को स्वीकृति दी जाती है। योजना के तहत 35 प्रतिशत तक अनुदान और मात्र 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान निर्धारित है। ऋण राशि को अधिकतम तीन वर्षों में ब्याज सहित किस्तों में चुकाना होगा। यह योजना पूरी तरह ऑफ्लाइन है और इसके लिए इच्छुक आवेदक संबंधित जिला के छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में आवेदन जमा कर सकते हैं।

दोनों योजनाओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना और हितग्राहियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं।

विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्य: आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य: हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच कुछ ऐसा हो गया है जो इस प्रयास में गंभीर अड़ंगा डाल सकता है। अमेरिका से एक बुरी खबर आई है जो कुछ भारतीयों की संदेहास्पद हरकतों पर रोशनी डालती है, जिससे रिश्तों में फिर खटास आ सकती है। कथित तौर पर इन लोगों में कुछ व्यावसायिक अधिकारी और कुछ बड़े कारपोरेट नेता शामिल हैं। मामला दर्दनाशक दवाओं के नाम पर ऐसे दवा अनुपूरकों (फेंटेनाइल प्रीकर्सर) की तस्करी से जुड़ा है जिसे अमेरिका में अक्षम्य अपराध माना जाता है क्योंकि अमेरिका की युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल मादक पदार्थ के रूप में करती है।

यह लत अमेरिका में राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी है। अमेरिका ने फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी में कथित संलिप्तता के चलते कुछ भारतीय व्यावसायिक अधिकारियों और कारपोरेट नेताओं के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें आगे वीजा देने से इनकार कर दिया गया है। हालांकि उन कारोबारी नेताओं की पहचान उजागर नहीं की गई है जिनके वीजा रद्द कर दिए गए। इस मुद्दे पर नई दिल्ली की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फेंटेनाइल प्रीकर्सर का आशय उन रसायनों से है जिनसे मादक पदार्थ बनाए जाते हैं। अमेरिकी दूतावास का कहना है कि जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे और उनके परिजन हमेशा के लिए अमेरिका यात्रा के लिए अयोग्य करार दिए जा सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिका में फेंटेनाइल और इससे संबंधित उत्पादों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस साझा चुनौती से निपटने में भारत सरकार में अपने समकक्षों के घनिष्ठ सहयोग के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर काम करने से ही हमारी दोनों सरकारें इस अंतरराष्ट्रीय खतरे का समाधान कर पाएंगी और दोनों देशों के लोगों को अवैध नशीले पदाथरे से सुरक्षित रख पाएंगी। इसका आशय यह है कि सारा मामला भारत सरकार के संज्ञान में है।

तब तो इस मामले में भारत की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। 2025 की एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भारत और चीन को मादक पदाथरे, उपकरणों और रसायनों की तस्करी का प्रमुख स्रेत कहा जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में तस्करी की जाने वाली घातक दवाएं हैं, जिनके कारण 2024 में 52,000 से अधिक मौत हो चुकी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 07 अक्टूबर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग मालवीय नगर चौक दुर्ग में मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में किरोस सिक्युरिटी के 550 पद (सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाईजर एवं हाउस कीपिंग स्टाफ), निमिया हर्बल प्राइवेट लिमिटेड के 462 पद (अकाउंट मैनेजर) एवं एन्सपिरा मैनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के 10 रिक्त पद कुल 1022 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 14000 से 25000 रूपए तक है, तथा 8वी, 10वी, 12वी, बी.कॉम., बीबीए/एमबीए (मार्केटिंग मैनेजमेंट) एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। विस्तृत जानकारी erojgar.cg.gov.in chhattisgarh rozgar app एवं सोशल मीडिया facebook .com/mccdurg अथवा रोजगार कार्यालय के सूचना पटल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण अंकसूची, पहचान पत्र, रोजगार कार्यालय का पंजीयनपत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र समस्त दस्तावेजों की के साथ प्लेसमेंट रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से सितंबर 2025 माह में कुल 76 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के सदस्यों सहित 10 कार्यपालक व 66 गैर-कार्यपालक शामिल हैं। सितंबर माह में सेवानिवृत्त हो रहे 10 कार्यपालको में जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. रविंद्रनाथ एम. तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरव मुखर्जी भी शामिल हैं। महाप्रबंधक स्तर तक के कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में 29 सितंबर 2025 को किया गया। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार तथा कार्यपालक निदेशक डॉ. रविंद्रनाथ एम. उपस्थित रहे। कार्यपालकों हेतु आयोजित विदाई समारोह में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों से आत्मीय संवाद कर संयंत्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए, जिन पर निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने विस्तार से चर्चा की।

गिरदावरी सत्यापन हेतु एप्प डाउनलोड करें अधिकारी- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। फसल गिरदावरी, मतदाता सूची मिलान, ई-ऑफिस की अद्यतन स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने कहा कि एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत धान उत्पादक कृषकों से वर्तमान खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में फसल गिरदावरी के आधार पर भुइयां साफ्टवेयर में प्रविष्ट एवं एग्रीटेक पोर्टल में डिजिटल क्रॉप सर्वे में धान के रकबे के आधार पर धान उपार्जन का कार्य किया जाएगा।

एग्रीटेक के डिजिटल क्रॉप सर्वे में किए गए फसल धान की प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियों का रेंडम सत्यापन किया जाना है। इस हेतु जिला स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण और तहसील स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सभी अधिकारी-कर्मचारी गिरदावरी सत्यापन हेतु निर्धारित एप्प मोबाइल में डाउनलोड करना सुनिश्चित करें।

साथ ही सत्यापन प्रक्रिया की भली-भांति जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जिले में मतदाता सूची मिलान का कार्य अभी 65 प्रतिशत तक ही हुआ है। इसमें और प्रगति लाने की आवश्यकता है। कलेक्टर सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची मिलान हेतु बीएलओ को संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर सूची मिलान करने निर्देशित करने कहा। उन्होंने जिले में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण के पश्चात् स्कूलों में शिक्षकों की ज्वायनिंग स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जो शिक्षक अभी तक निर्धारित स्कूल में अपनी ज्वायनिंग नहीं दिए हैं, ऐसे शिक्षकों के विरूद्ध जिला शिक्षा अधिकारी कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सिंह ने कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि अब से अधिकारी नई फाइल ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत् ही बनाएं। ई-ऑफिस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दिक्कते होने पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को ई-ऑफिस संचालन के संबंध में मूलभूत आवश्यक जानकारियां ग्रुप के माध्यम से शेयर करने के निर्देश दिए। कार्यालय में अधिकारी एवं फाईल मूवमेंट करने वाले कर्मचारी की जानकारी सभी विभागों को निर्धारित गूगलशीट में अपलोड करने कहा गया। इसी प्रकार जनगणना संबंधित जानकारी प्रपत्र 1, 2 एवं 3 में विभागों से मंगाई गयी है।

कलेक्टर सिंह ने वय वंदन कार्ड की जानकारी लेते हुए योजना अंतर्गत लक्ष्य के मुताबिक कार्ड बनाने की प्रक्रिया में प्रगति लाने सीएमएचओ को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि स्कूलों बच्चों के आधार कार्ड हेतु स्कूलवार शिविर लगाई जाए। इसी प्रकार स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु प्राप्त आवेदनों को संबंधित तहसीलों में जमा कराया जाए। इस संबंध में उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के किसी भी परिजन का पूर्व से जाति प्रमाण पत्र बना हो तो इसे आधार मानते हुए स्कूली बच्चों का भी जाति प्रमाण पत्र बनाने आवश्यक पहल करने डीईओ को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियोंसे कहा कि सभी तहसीलदार संबंधित क्षेत्र के स्कूलों का भ्रमण कर स्कूलों बच्चों के जाति प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड निर्माण कार्य हेतु जमीन आबंटन के संबंध में संबंधित तहसीलदारों को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। राशन कार्डों की समीक्षा के दौरान खाद्य अधिकारी ने अवगत कराया कि ई-केवाईसी के अभाव में 20 हजार राशन कार्ड निरश्त किया गया है। इसी प्रकार धान खरीदी हेतु बारदाने की आवश्यकता के संबंध में डीएमओ ने अवगत कराया कि जिले में 28 हजार गठान बारदाने की आवश्यकता होगी। वर्तमान में 2392 गठान बारदाना जमा किया जा चुका है। कलेक्टर ने सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजना के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन नगरीय निकायों एवं पंचायतों से अद्यतन स्थिति प्राप्त कर उप संचालक समाज कल्याण को शीघ्र अवगत कराने के निर्देश उप दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री को नहरों से अतिक्रमण हटाने चिन्हांकित कर सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जो विभाग अभी तक जीएसटी रिर्टन फाईल जमा नहीं किए हैं, उन्हें तत्काल जमा कराने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक कलेक्टर अभिजीत बबन पठारे, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन एवं वीरेन्द्र सिंह, नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, सिल्ली थॉमस, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत एवं एसडीएम छावनी हितेश पिस्दा, एसडीएम दुर्ग शहर उत्तम ध्रुव एवं डिप्टी कलेक्टर सोनल डेविड सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

लाल मैदान पावर हाउस में ढोकरा शिल्प की 3 हजार मूर्तियों का पंडाल भक्तों को भा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुभाष नवयुवक जागृति समिति लाल मैदान पावर हाउस भिलाई का ढोकला आर्ट पंडाल भक्तों का आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। समिति के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, महामंत्री विजय सिंह और उपाध्यक्ष गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि लॉस्ट-वैक्स तकनीक, पीतल-तांबे-कांसा जैसी धातु की मूर्तियों पर बारिक नक्काशी है ढोकरा आर्ट बस्तर छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़िसा, राजस्थान और मध्यप्रदेश में रहने वाले आदिवासियों के ढोकरा आर्ट ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। यह कला हमें और समाज को संदेश देती है कि प्रकृति और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए ही हमें अपनी संस्कृति को जीवंत बनाए रखना है। आगे बताया कि आज दोपहर कन्या भोज के बाद हवन किया जाएगा। कल गुरुवार को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक महा भंडारे का कार्यक्रम, शुक्रवार दोपहर 3 बजे माता रानी का विसर्जन किया जाएगा।

बच्चों को सुपोषित बनाने लिया संकल्प, दी चरण पादुकाएं भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समाजसेवा में अग्रणी संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से घासीदास नगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण किट (सुपोषण खजानी) और चरण पादुकाओं का वितरण किया गया। 8 वें राष्ट्रीय पोषण माह में सुपोषित और समृद्ध भारत का निर्माण थीम के अंतर्गत फाउंडेशन की ओर से यह पहल की गई थी।

फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने माताओं को विशेष रूप से पोषण किट की जानकारी दी। इस किट में गुड़, भुना चना, अरहर की दाल, मूंग, सोयाबीन और तिल शामिल हैं, जो कि ऊर्जा, प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर हैं।

इस दौरान श्री पिल्लई ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा ही राष्ट्र की सच्ची पूंजी है। उन्होंने संदेश दिया कि जब हर बच्चा सुपोषित और आत्मविश्वासी होगा तभी भारत समृद्ध और सशक्त बनेगा। श्री पिल्लई ने सभी से आह्वान किया कि मिलकर बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य करें। भिलाई-1 परियोजना अधिकारी पद्मजा सिन्हा ने बच्चों को कुपोषण के जाल से बाहर निकलने खानपान की सही आदतों से अवगत कराया। उन्होंने माताओं से अपनी दिनचर्या में अंकुरित अनाज योग एवं मौसमी फलों को शामिल करने की सलाह दी। इस दौरान जीई फाउंडेशन की ओर से बच्चों को आरामदायक चप्पलें भी दी गईं। जिससे स्कूल व आंगनबाड़ी नियमित रूप से जाने इन बच्चों को सुविधा हो और उनके पैरों की सुरक्षा भी हो। पर्यवेक्षक कंचन महतो ने बच्चों के अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें और उन्हें नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजें। इस दौरान सभी ने मिल कर हर बच्चा सुपोषित, हर कदम सुरक्षित का नारा लगाया और अपने बच्चों को सुपोषित रखने का संकल्प लिया।

आयोजन में घासीदास नगर (1, 2 एवं 3) तथा फौजी नगर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उमेश्वरी रात्रे, जीतू मनहर, पिंगला बंजारे तथा सहायिका चंचल निषाद, मारुति गुप्ता, किरण सिंह, टिकेश्वरी साहू और जीई फाउंडेशन से प्रकाश देशमुख, सोनम सागर और अजीत सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

चार कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके चार कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद स-सम्मान पूर्वक बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में आज निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को प्रमाण पत्र, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने दुर्ग निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा किए।

उन्होंने कहा हम विभिन्न विभागो में कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किए। हम सबको गर्व है अपनी क्षमता के अनुसार कार्य किए। महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल,नीलेश अग्रवाल ने लेखा अधिकारी रमाकांत शर्मा, सफाई कामगार राजू सूर्या, भृत्य संतराम साहू,सफाई कामगार श्रीमती माया कमल को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

महापौर अलका बाघमार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से कहा कि कभी भी कोई जरूरत हो आप बे झिझक आईयेगा। आपके जो भी देय राशि है उसका भुगतान अभी किया जा रहा है। पेंशन का प्रकरण शीघ्र निराकरण करके आपको पेंशन भी मिलने लगेगा। उन्होंने कहा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान को सराहा.सेवा में रहे कर्मचारियों ने निगम के लिए हर कठिन परिस्थिति में काम करते हुए कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत वॉकथॉन का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सामरिक मुख्यालय, महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल (विशेष संक्रिया), छत्तीसगढ़ द्वारा आज एक भारत, श्रेष्ठ भारतअभियान के अंतर्गत वॉकथॉन का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन गिरधारी लाल मीणा, उप महानिरीक्षक (पी0एस0ओ) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के अधिकारीयों, अधीनस्थ अधिकारीयों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथॉन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना, सांस्कृतिक विविधता में एकता की भावना को प्रोत्साहित करना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। वॉकथॉन सामरिक मुख्यालय परिसर से प्रारंभ होकर साईं मंदिर चौक, रिसाली चौक, डीपीएस चौक एवं एसएसबी क्षेत्रीय मुख्यालय से होते हुए पुनः सामरिक मुख्यालय परिसर में संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का प्रसार किया।

सीमा सुरक्षा बल न केवल नक्सल विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत जैसे राष्ट्र को जोड़ने वाले सामाजिक एवं सांस्कृतिक अभियानों को भी समान समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ आयोजन कर रहा है। वॉकथॉन जैसे कार्यक्रम इस भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

सोलर प्लांट लगाने पर मिलेगा 1.08 लाख तक अनुदान, लोन की सुविधा भी उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2024 में 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत मार्च 2027 तक देश के एक करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित करना है, जिससे स्वच्छ, हरित एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इस योजना के तहत केंद्र सरकार एक से तीन किलोवाट क्षमता तक के सोलर प्लांट लगाने पर 30,000 से 78,000 रुपये तक की सब्सिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में प्रदान कर रही है।

राज्य सरकार ने इस योजना को और सशक्त बनाते हुए अतिरिक्त राज्यांश सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। एक किलोवाट के सोलर प्लांट पर राज्य सरकार की ओर से 15,000 रुपये, दो किलोवाट पर 30,000 रुपये तथा तीन किलोवाट या अधिक क्षमता के प्लांट पर कुल 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी केंद्र और राज्य सरकार से मिलाकर उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। यह राशि सोलर प्लांट की कुल लागत का लगभग 75 प्रतिशत है, जिससे अब आम उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऊर्जा अपनाना काफी सुलभ और किफायती हो गया है।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को नेशनल पोर्टल pmsuryaghar.gov.in पर जाकर अपनी बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर दर्ज कर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपभोक्ता को अपनी सामान्य जानकारी दर्ज करनी होती है और फिर अधिकृत वेंडर का चयन करना होता है। उपभोक्ता ड्रॉपडाउन सूची से वेंडर का चयन कर सकता है और यदि वह संतुष्ट न हो तो वेंडर को बदल भी सकता है।

वेंडर चयन के पश्चात उपभोक्ता उसके साथ अनुबंध कर कार्य आरंभ कर सकता है। सोलर प्लांट का कार्य पूर्ण होने के बाद वेंडर को कार्य पूर्णता प्रतिवेदन, कंज़्यूमर एग्रीमेंट, डीसीआर पैनल की जानकारी और उपभोक्ता के साथ सोलर प्लांट का फोटो पोर्टल पर अपलोड करना होता है। यह जानकारी अपलोड होने के बाद संबंधित बिजली विभाग द्वारा भौतिक निरीक्षण किया जाता है और सत्यापन के बाद ई-टोकन जनरेट किया जाता है। यह ई-टोकन उपभोक्ता द्वारा रिडीम किया जाता है और इसके पश्चात केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित सब्सिडी की राशि सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते या ऋण खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है।

वेंडर चयन के बाद यदि उपभोक्ता लोन लेना चाहता है, तो राष्ट्रीय पोर्टल पर लोन हेतु आवेदन का विकल्प सक्रिय हो जाता है, जिसे चयनित करने पर उपभोक्ता को जनसमर्थ पोर्टल पर रीडायरेक्ट कर दिया जाता है। जनसमर्थ पोर्टल में उपभोक्ता अपने मनपसंद बैंक, उपलब्ध ऋण ऑफर तथा नजदीकी शाखा का चयन कर सकता है और तत्पश्चात डिजिटल अप्रूवल प्राप्त कर सकता है। योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये तक के लोन हेतु किसी भी प्रकार के अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा मात्र 6 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी आसानी से इस योजना से जुड़ सकें।

सोलर प्लांट से उत्पन्न बिजली की बिलिंग नेट मीटरिंग पद्धति के माध्यम से की जाती है। इसमें उपभोक्ता के मीटर द्वारा ग्रिड से ली गई बिजली और सोलर प्लांट से ग्रिड में भेजी गई बिजली की गणना की जाती है। इसके आधार पर (इंपोर्ट-एक्सपोर्ट) के अनुसार उपभोक्ता को वास्तविक खपत का बिल जारी किया जाता है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

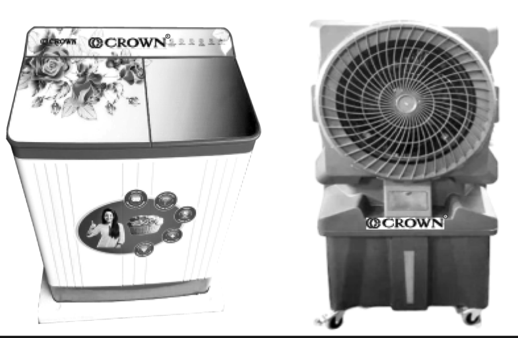

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्टः कर्मचारियों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप प्रोजेक्ट दक्ष जिले के शासकीय कार्यों को नई दिशा और गति प्रदान कर रहा है। इस पहल से अधिकारी-कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ मल्टीलेवल पार्किंग में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में धरसीवां ब्लॉक के शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट प्रबंधन, ईमेल तथा अन्य आवश्यक ऑनलाइन टूल्स की जानकारी दी गई। प्रोजेक्ट दक्ष का उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। इस प्रयास से शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और अधिक सरल, पारदर्शी एवं स्मार्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत जिले के आंगनबाड़ी व शासकीय स्कूलों में बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभिनव पहल का उद्देश्य है – बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर

उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोखो पारा में 14 बच्चों की जांच की गई, जिसमें 07 छात्र एवं 07 छात्राएं शामिल रही, जिसमें कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। शिविर के दौरान बच्चों की जांच तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आने जैसे लक्षणों के आधार पर की गई।

बाबा दरबार में हुआ अष्टमी हवन

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में शारदीय नवरात्रि पर्व पर 30 सितंबर को हवन पूजन एवं कन्या भोज का कार्यक्रम किया गया। आज शाम दरबार से ज्योति कलश शोभायात्रा विसजर्न निकलेगी। जो दरबार से निकलकर बजरंग पारा बजार चौक मुख्य गली शीतला पारा होते शीतला तालाब पहुंचेंगे। जहां पर ज्योत जवारा

विसजर्न किया जाएगा। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपने मनोकामनाएं पूरी करें। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधी चंन्द्रकांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू जी ने दी।

रायपुर नगर निगम ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियां पूरी की, महादेव घाट में विशेष व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर ने इस वर्ष भी दुर्गा प्रतिमाओं के सुरक्षित और व्यवस्थित विसर्जन के लिए पूरी तैयारी कर ली है। खारून नदी के महादेव घाट, पाटन पुलिया के पास बने विसर्जन कुंड में 2 अक्टूबर सुबह 6 बजे से 5 अक्टूबर सुबह 6 बजे तक विसर्जन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आयुक्त विश्वदीप ने जोन कमिश्नरों और अमले को प्रशासनिक ड्यूटी सौंपते हुए सुनिश्चित किया है कि विसर्जन का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो। नगर निगम द्वारा महादेव घाट में लाइट, केन, स्टेज, लाउडस्पीकर और साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित की जा रही है। आयुक्त ने अधिकारियों और अमले को निर्देश दिए हैं कि हर तरह की सुरक्षा, सुविधाजनक मार्ग और भीड़ नियंत्रण का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (हृलत्र) के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। इसके तहत विसर्जन से पहले पूजा सामग्री और फूल-पत्तियों को अलग रखा जाएगा, ताकि नदी में प्रदूषण न फैले। विसर्जन के बाद 24 घंटे के भीतर मलमा और अन्य अपशिष्ट को कुंड से बाहर निकालने की व्यवस्था भी की गई है। नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि नदी और आसपास के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, ध्वनि और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से समय-समय पर निगरानी रखी जाएगी।

विसर्जन कुंड में प्रशासनिक अमला और सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए मार्गदर्शन बोर्ड लगाए जाएंगे और श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित तरीके से कुंड तक पहुँचाया जाएगा। नगर निगम ने सुनिश्चित किया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी लोग सुरक्षित रूप से अपनी पूजा-अर्चना संपन्न कर सकें। आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य इस त्योहार को श्रद्धालुओं के लिए सहज, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप तक पूर्ण किया जाए।

नगर निगम की टीम विसर्जन के बाद कुंड और आसपास के क्षेत्र की पूरी सफाई करेगी। पानी में गिरने वाली सामग्री को एकत्र करके निर्धारित स्थान पर निस्तारित किया जाएगा। इसके अलावा, विसर्जन स्थल पर पर्याप्त कचरा पात्र और सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे पूजा सामग्री और अन्य कचरे को कुंड में न डालें और निर्धारित जगहों पर ही रखें। इससे नदी प्रदूषण मुक्त रहेगी और पर्यावरण संतुलन बना रहेगा। इस प्रकार, नगर निगम रायपुर ने इस वर्ष दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम कर लिए हैं। महादेव घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं, जिससे यह आयोजन सफल और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

रथ परिक्रमा पथ पर अंडरग्राउंड वायरिंग का कार्य तेज गति पर, 5.19 करोड़ की लागत से हो रहा है निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी अनूठी परंपराओं और 75 दिनों तक चलने वाले भव्य उत्सव के लिए जाना जाता है। इस वर्ष उत्सव को और अधिक सुरक्षित तथा व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। रथ परिक्रमा मार्ग पर अंडरग्राउंड वायरिंग का कार्य तेजी से जारी है। लगभग 5 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से हो रही यह परियोजना दशहरा समिति की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करती है, जिसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर मंजूरी मिली है। बस्तर दशहरा समिति लंबे समय से परिक्रमा मार्ग पर ऊपर लटके विद्युत तारों को हटाकर अंडरग्राउंड वायरिंग की मांग कर रही थी। ऊपरी तारों की वजह से रथ परिक्रमा के दौरान तार टूटने, शॉर्ट सर्किट और बरसात में बाधा जैसी समस्याएं आती थीं। इससे न केवल रथ संचालन प्रभावित होता था, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराता था। समिति ने कई बार प्रशासन से इस पर ठोस कदम उठाने की अपील की थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्राथमिकता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर दशहरा की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव को प्राथमिकता दी। उनके निर्देश पर परियोजना को हरी झंडी मिली और तेजी से कार्य शुरू हुआ। श्री साय ने कहा कि यह पहल न केवल उत्सव की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी बल्कि बस्तर के बुनियादी ढांचे और पर्यटन को भी नई मजबूती देगी। स्थानीय जनता और दशहरा समिति ने इस निर्णय का स्वागत किया है।

विद्युत विभाग के अनुसार, फूल रथ परिक्रमा पथ पर अंडरग्राउंड वायरिंग का काम पूरा कर लिया गया है। अब मुख्य रथ परिक्रमा मार्ग पर तेजी से कार्य चल रहा है। इसके पूरा होने के बाद ऊपरी तारों से जुड़ी सभी बाधाएं पूरी तरह समाप्त हो जाएंगी और रथ संचालन निर्बाध और सुरक्षित हो सकेगा। विजय रथ परिक्रमा के लिए विशेष इंतजाम बस्तर दशहरा का सबसे बड़ा आकर्षण विजय रथ परिक्रमा है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन को देखते हुए विद्युत कम्पनी ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। रथ मार्ग से जुड़े सभी विद्युत पोल, तार और अन्य संभावित बाधाओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कार्य को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही हैं।

यह परियोजना केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शहर की सुंदरता को भी नया रूप देगी। ऊपरी तारों और खंभों की अनुपस्थिति से रथ मार्ग और आसपास का क्षेत्र अधिक आकर्षक व व्यवस्थित दिखाई देगा। साथ ही, बिजली आपूर्ति भी और स्थिर होगी। दशहरा समिति के सदस्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की इस पहल ने जनता को एक बड़ा तोहफा दिया है और यह परियोजना उत्सव की गरिमा को नई ऊंचाई तक ले जाएगी।

प्रोजेक्ट अनुभव के तहत विद्यार्थियों को मिला प्रशासनिक अनुभव का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में संचालित अभिनव पहल प्रोजेक्ट अनुभव के अंतर्गत योग भवन, फुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सहायक श्रम आयुक्त देवेन्द्र देवांगन ने छात्रों को समाजशास्त्र विषय की बारीकियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य युवाओं को प्रशासनिक अधिकारियों के अनुभव से जोड़कर उनकी परीक्षा-तैयारी को सशक्त बनाना है।

सत्र के दौरान देवांगन ने शोध के विभिन्न तरीकों जैसे अवलोकन, साक्षात्कार और प्रश्नावली पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने समाजशास्त्र के प्रसिद्ध चिंतक कार्ल मार्क्स की प्रमुख अवधारणाओं को सरल भाषा में समझाया। यह शैक्षणिक सत्र करीब ढाई घंटे तक चला, जिसमें छात्रों ने गहरी रुचि दिखाई। प्रोजेक्ट अनुभव का उद्देश्य युवाओं को प्रशासनिक अधिकारियों के अनुभवों से जोड़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को मजबूत बनाना है। इस पहल के तहत जिले के वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

दीक्षा नगर और आसपास के रहवासियों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या का होगा समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर के दीक्षा नगर एवं आसपास की 13 बस्तियों की वर्षो पुरानी पानी की समस्या जल्द ही ठीक हो जाएगी। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के ठक्कर बापा वार्ड अंतर्गत दीक्षा नगर स्थित गीतांजलि सोसायटी (उद्यान) में 19 करोड़ 60 लाख 74 हजार रुपए की लागत से बनने वाली पेयजल आपूर्ति परियोजना का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। आज हुए

भूमिपूजन वाले विकास कार्य के पूर्ण होने से दीक्षा नगर और आसपास के क्षेत्रों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या का स्थायी समाधान बनेगी। दीक्षा ने कहा कि पिछले 20 महीने में 462 करोड़ रुपए विकास की राशि मिली है। यह केवल एक नगरीय निकाय से स्वीकृत हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की एक-एक गारंटी को पूरा करते जा रहे हैं। नगरीय निकाय के विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं आएगी। लोक निर्माण विभाग से कई सौ करोड़ के विकास कार्य हो रहे हैं। सभी विकास के कार्य जनता की मांग अनुसार कराए जा रहे है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि रायपुर नगर निगम के विकास के लिए जो भी प्रस्ताव आयेगा, उसके लिए सभी वार्डों को 50-50 लाख रुपए दिए जाएंगे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों की नई शुरुआत हो रही है। आज पानी टंकी का भूमि पूजन हुआ और दो साल में सबके घर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। सड़कों का विकास तेजी से हो रहा है, चौड़े-चौड़े सड़क बन रहे हैं। आज बाहर के लोग कहते हैं रायपुर की पहचान और तस्वीर बदल गई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार विकास के नए आयाम गढ़ रही है। राजेश मूणत ने कहा कि स्वच्छ पेयजल बहुत बड़ी जरूरत है। सरकार तय सीमा में सभी कार्यों को पूरा करेगी। रायपुर के लिए सौगात की श्रृंखला शुरू हो गई है। जनता की मंशा के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि यह भूमिपूजन लंबे समय से हो रही पेयजल की समस्या से आमजनों को निजात दिलाएगी। स्वच्छ और नियमित पानी की सप्लाई हो सकेगी।

गौरतलब है कि परियोजना के अंतर्गत 200 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी टंकी (25 मीटर स्टेजिंग) का निर्माण 2 करोड़ 37 लाख 14 हजार रुपए की लागत से किया जाएगा। 600 मीटर आर.एम.टी. डीआई के-09 पाइपलाइन से रॉ वाटर पम्पिंग एवं राइजिंग मेन कार्य 81 लाख 13 हजार रुपए में होगा। डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन बिछाने का कार्य 40,000 मीटर लंबाई में किया जाएगा, जिस पर 14 करोड़ 61 लाख 05 हजार रुपए व्यय होंगे। इसके अलावा 1000 घरों तक घरेलू नल कनेक्शन और उतनी ही संख्या में वाटर मीटर लगाए जाएंगे, जिस पर 1 करोड़ 57 लाख 82 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। पेयजल आपूर्ति प्रणाली को आधुनिक और व्यवस्थित बनाने के लिए पी.एल.सी. स्काडा ऑटोमेशन तकनीक भी लगाई जाएगी, जिसकी लागत 23 लाख 60 हजार रुपए होगी। इस परियोजना के पूर्ण होने पर करीब पांच हजार से अधिक की आबादी को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू,महापौर मीनल चौबे,पार्षद प्रमिला बल्ला साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लौटी शिक्षा की रौनक, बढ़ी शिक्षा की गुणवत्ता, मोहगांव हाई स्कूल में अंग्रेजी, गणित व कला विषय के शिक्षकों की हुई पदस्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। विद्यालय में एक शिक्षकीय विद्यालय या शिक्षकों की नियुक्ति न होने के कारण प्रारंभ से ही यह संस्था शिक्षकविहीन स्थिति में संचालित हो रही थी, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। अभिभावकों की चिंता और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति में बाधा को लेकर ग्रामीणजनों में निराशा व्याप्त थी। शिक्षा विभाग द्वारा इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत् विद्यालय में छात्र संख्या के आधार पर शिक्षकों को पदस्थ किए गए हैं, जिससे स्कूल में शिक्षा की रौनक बढी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है।

महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मोहगांव की स्थापना वर्ष 2022 में विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। किंतु युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत् तीन व्याख्याता अंग्रेजी, गणित एवं कला विषय के लिए इस विद्यालय में पदस्थ किए गए हैं। इन विषयों की अत्यधिक आवश्यकता थी क्योंकि ये विद्यार्थी के समग्र बौद्धिक और रचनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देवेंद्र चंद्राकर, शैलेन्द्र ठाकुर, रामसिंह नाग व विज्ञान सहायक भूपेंद्र जसपाल शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियाँ पुन: गति पकड़ने लगी हैं। अब नियमित रूप से कक्षाएँ संचालित हो रही हैं और विद्यार्थी पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ अध्ययन में भाग ले रहे हैं। बच्चों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

विद्यालय में व्याख्याताओं की पदस्थापना से न केवल बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से प्रारंभ हुई है, बल्कि ग्राम मोहगांव सहित आस-पास के क्षेत्रों के पालकों एवं ग्रामीणजनों में भी प्रसन्नता की लहर है। बच्चों के भविष्य को लेकर अब उनमें आश्वस्ति का भाव है। ग्राम के नागरिकों ने शासन एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह निर्णय दूरस्थ ग्रामीण अंचल में शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि इसी तरह अन्य आवश्यक सुविधाएँ भी विद्यालय में शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

क्षेत्र के जनपद सदस्य भूपेंद्र मोंटू दीवान, सरपंच नरेन्द्र दीवान व एसएमसी अध्यक्ष डॉ. चेतन साहू ने प्रसनता व्यक्त करते कहा कि शिक्षा विभाग की यह पहल शिक्षा सबके लिए के उद्देश्य को साकार करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी बच्चे को केवल संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न होना पड़े।

गांधी जयंती और महावीर निर्वाण दिवस पर मांस-मटन बिक्री प्रतिबंधित

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेशानुसार गांधी जयंती (2 अक्टूबर) और महावीर निर्वाण दिवस (21 अक्टूबर) को रायपुर निगम परिक्षत्र में मांस-मटन बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। उक्त दिवस अगर किसी भी दुकान में मांस-मटन विक्रय करते पाए जाने पर यथोचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

हमारे होने वाले बच्चे...' एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने गलती से दे दी प्रेग्नेंसी की खबर! फैंस दे रहे बधाई

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन टीवी के जाने-माने कपल हैं। दोनों को लेकर अक्सर खबरें आती हैं कि वे जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं लेकिन हमेशा ही खबर झूठ निकलती हैं। हालांकि इस बार अंकिता ने गलती ये या जान-बूझकर अपनी प्रेग्नेंसी पर मुहर लगा दी है। जानिए क्यों!

अंकिता लोखंडे ने गलती से बता दी प्रेग्नेंसी की खबर

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने 2021 में शादी की थी। तब से ही उनकी प्रेग्नेंसी की खबरें आ रही हैं। दरअसल, कई बार अंकिता खुद अपनी प्रेग्नेंसी के संकेत देती हैं। लेकिन लगता है इस बार ये खबर सच है, क्योंकि एक्ट्रेस ने अपने बेस्ट फ्रेंड संदीप के लिए इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इशारा किया है। अंकिता लोखंडे, निर्माता संदीप सिंह के बेहद करीब हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके और अपने पति विक्की के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। शुभकामनाएं भेजते हुए, अंकिता ने विक्की जैन के साथ अपने 'होने वाले बच्चे' का जिक्र किया, जिसने तुरंत उनके फैंस का ध्यान खींचा। अंकिता ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके संपर्क में रहने के लिए शुक्रिया अदा किया।

अंकिता ने दोस्त को विश किया

अंकिता ने बताया कि कैसे संदीप ने उनसे मिलकर उनके, उनके पति और यहां तक कि उनके होने वाले बच्चे के बारे में अपनी चिंताएं जताईं, जिसने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

अंकिता लोखंडे की पोस्ट वायरल

उन्होंने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, संदीप! ईश्वर आपको हमेशा खुश रखे। मैंने फोन करने की कोशिश की, लेकिन हमेशा की तरह आपका फोन नहीं लगा। फिर भी, मैं आपको बताना चाहती हूं कि मैं हमेशा आपके साथ रहने के लिए कितनी आभारी हूं। आप एक अद्भुत हैं और जिस तरह से आप कल आए, इतनी चिंता दिखाई, मेरे बारे में, विक्की के बारे में, और यहां तक कि हमारे होने वाले बच्चे के बारे में भी इतना कुछ किया, उसने मुझे बहुत प्रभावित किया।'

अंकिता लोखंडे ने रिश्ता आगे बढ़ाने पर दिया जोर

अंकिता ने आगे उम्मीद जताई कि उनका रिश्ता यूं ही मजबूत होता रहे और तीनों साथ रहें। उन्होंने उनके जन्मदिन पर उनकी तारीफ भी की और उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने लिखा, 'मैं आपकी सच्ची परवाह करती हूं और मैं आभारी हूं कि आप हमारी जिंदगी में हैं। मुझे इस बात की भी खुशी है कि विक्की आपकी कद्र करते हैं और आपका सम्मान करते हैं, आपकी बात सुनते और समझते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरा दोस्त मेरे पति के भी इतने करीब है। मैं सचमुच चाहती हूं कि समय के साथ यह रिश्ता और मजबूत होता जाए, और हम तीनों साथ-साथ खड़े रहें।'

लोगों ने बरसाया प्यार

जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा- भविष्य का बच्चा!! रुको क्या? क्या तुम प्रेगनेंट हो। दूसरे ने कमेंट किया- क्या तुम बच्चे की उम्मीद कर रही हो, वाह, बधाई हो। ऐसे ही कई सारे लोगों ने केवल यही कमेंट किया कि क्या अंकिता लोखंडे प्रेगनेंट हैं।

अकेली हीरोइन ने अपने ही दम पर दी ब्लॉकबस्टर, रानी मुखर्जी के हाथ से फिसली फिल्म

साल 2022 में बॉक्स ऑफिस पर एक ऐसी फिल्म ने दस्तक दी थी, जिसने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया था। फिल्म में अजय देवगन का रोल छोटा सा था। रानी मुखर्जी इस फिल्म के लिए पहली पसंद थी। लेकिन अकेली ये हीरोइन अपने दम पर इसे ब्लॉकबस्टर बना गई थी। साल 2022 की वो धांसू फिल्म है, गंगूबाई काठियावाड़ी। इस फिल्म के जरिए आलिया भट्ट ने अपनी पहचान को और मजबूत बनाया था। फिल्म के लिए एक्ट्रेस को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। इससे पहले भी वो इस फिल्म के लिए ढेरों तारीफें हासिल कर चुकी हैं।

ये बात अलग है कि गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए आलिया भट्ट कभी पहली पसंद नहीं रहीं थीं। बल्कि रानी मुखर्जी फिल्म के लिए पहली पसंद थीं। लेकिन वह फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकी। संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी को लोग शायद ही कभी भूल पाएंगे। खासतौर पर फिल्म में आलिया भट्ट की एक्टिंग तो लोगों ने जहन में बस गई है। इस फिल्म के लिए पहली पसंद रानी मुखर्जी थीं। क्योंकि वह उनके साथ पहले भी कई फिल्मों में काम कर चुके थे, तो इस फिल्म के लिए भी उन्हें ही चुना गया था।

लिहाजा रानी मुखर्जी के साथ बतौर तीसरी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी ही करने की प्लानिंग थी। लेकिन दोनों के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर बात नहीं बन सकी। इस तरह रानी के हाथ से ये ब्लॉकबस्टर फिल्म निकल गई। रानी मुखर्जी के बाद इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा से बात की गई। क्योंकि प्रियंका चोपड़ा भी संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी में नजर आ चुकी थीं। लेकिन गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए वह फाइनल नहीं हो सकी।

प्रियंका उस वक्त हॉलीवुड में बिजी थीं। बाद में जाकर फिल्म आलिया भट्ट के हिस्से में आई। फिल्म में आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी के किरदार में लेना सही साबित हुआ। गंगू बनकर उन्होंने तो इतिहास ही रच दिया। बता दें इसी फिल्म में अजय देवगन जैसे सुपरस्टार ने भी कैमियो किया था। उनकी फिल्मों में उनके आगे दूसरे एक्टर की छवि धूमिल हो जाती है। लेकिन फिल्म में अजय देवगन का रोल भी गंगूबाई की एक्टिंग के सामने फीका पड़ गया था।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में लिपलॉक, सेंसर बोर्ड ने 60 प्रतिशत किसिंग सीन पर चलाई कैंची, मिला यू/ए सर्टिफिकेट

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर हैं। सेंसर बोर्ड ने 60 प्रतिशत किसिंग सीन काटे हैं। बता दें इस फिल्म रोहित सर्राफ और सान्या मल्होत्रा से लेकर मनीष पॉल भी हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को कांतारा चैप्टर 1 से क्लैश करेगी। चलिए बताते हैं वरुण धवन की फिल्म को सेंसर बोर्ड की समय अवधि से लेकर सर्टिफिकेट तक की जानकारी।

2 अक्टूबर की छुट्टी के मौके पर वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, रोहित सर्राफ और सान्या मल्होत्रा एक रोमांटिक फिल्म ला रहे हैं 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी'। जैसा टाइटल है वैसी ये फिल्म बिल्कुल नहीं है। दरअसल वरुण धवन की फिल्म जब सेंसर बोर्ड में सर्टिफिकेशन के लिए पहुंची तो ये बात पता चली। सेंसर बोर्ड ने 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की 60 प्रतिशत किसिंग सीन पर कैंची चलाई है। साथ ही यू/ए सर्टिफिकेट देकर पास किया है। चलिए बताते हैं 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के कट्स के बारे में। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी रोमांटिक फिल्म को पास करने से पहले दो बड़े सुझाव दिए थे। पहला 'गार्ड' शब्द को म्यूट करें। जहां वरुण धवन का किरदार सनी किसी को गाली दे रहे होते हैं।

किसिंग सीन को 60 फीसदी काटने को कहा

वहीं दूसरा सुझाव ये था कि दूसरे बदलाव में लिप-लॉक सीन को करीब 60 प्रतिशत छोटा करना था। साथ ही, निर्माता को फिल्म में शराब के खिलाफ एक चेतावनी भी डालने को भी कहा गया। इन बदलाओं के साथ फिल्म को अंतिम मंजूरी मिली।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' समय अवधि

सेंसर सर्टिफिकेट के बाद पता चला कि फिल्म 2 घंटे 15 मिनट 45 सेकंड की है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को शशांक खेतान ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, अभिनव शर्मा और मनीष पॉल भी हैं।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का क्लैश

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की सबसे बड़ी चुनौती बॉक्स ऑफिस के लिहाज से कांतारा चैप्टर 1 होने वाली है। दोनों ही फिल्में गांधी जयंति के मौके पर 2 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। एडवांस बुकिंग में तो कांतारा वरुण धवन की फिल्म पर भारी भी पड़ती दिख रही है।

उसने मुझसे साफ कह दिया है, पापा मेरे को फिल्मों में नहीं आना', अक्षय कुमार ने बताया बेटे आरव का क्या है सपना

अक्षय कुमार अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफमें काफी डिसिप्लीन रखते हैं। उन्होंने बताया कि वैसे घर में ये काम उनकी वाइफका है। वहीं उन्होंने ये भी बताया कि उनके बेटे फिल्मों में बिल्कुल नहीं आना चाहते। एक्टर ने कहा- उसने मुझसे साफ़कह दिया है, पापा मेरे को नहीं आना।

अक्षय कुमार ने कहा आरव को नहीं गंदी आदत

अक्षय कुमार फिल्म की शूटिंग हो, वर्कआउट शेड्यूल या फिर अपनी पर्सनल लाइफ हर चीज को लेकर बेहद डिसिप्लीन लाइफ जीने की वजह से चर्चा में रहते हैं। अपनी हालिया बातचीत में अक्षय कुमार ने रियल लाइफ के बारे मे बातें की और बताया कि ये उनकी वाइफ ट्विंकल खन्ना हैं जो बच्चों नितारा और आरव की अनुशासन में जीना सिखाती हैं।

बात करते हुए, उन्होंने हाल ही में कहा, 'मैं स्ट्रिक्ट नहीं हूं, ये काम मेरी बीवी का है। वह बहुत सीरियस किस्म की है और वह हम तीन बच्चों - मुझे, नितारा और आरव को कंट्रोल में रखती हैं। मैं अपने बेटे के लिए एक दोस्त की तरह हूं। वह 23 साल का है और वह बहुत जल्दी बड़ा हो गया है।'

अक्षय ने आरव के फ्यूचर को लेकर भी बातें कीं

उन्होंने बेटे आरव के बारे में बातें करते हुए कहा, 'वह यूनिवर्सिटी में पढ़ रहा है और वह अपनी पढ़ाई में बहुत इन्वॉल्व है। उसकी कोई बुरी आदत नहीं है। वह ट्विंकल की तरह है क्योंकि उसे भी पढ़ना-लिखना बहुत पसंद है।' इसके अलावा अक्षय ने आरव के फ्यूचर को लेकर भी बातें कीं। उन्होंने कहा कि आरव फिल्मों का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'वो फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसने मुझसे साफ कह दिया है, पापा मेरे को नहीं आना।'

अक्षय बोले- मैं चाहता हूं कि वह फिल्मों में आए

अक्षय ने ये भी बताया, 'मैंने उसे अपनी प्रोडक्शन कंपनी की बागडोर संभालने को कहा, लेकिन वह उसमें भी नहीं आना चाहता। वह फैशन में ही रहना चाहता है। वह एक डिजाइनर बनना चाहता है। वह इस समय फैशन के गुर सीख रहा है और इस जिंदगी में खुश है।' अक्षय ने आगे कहा, 'मैं चाहता हूं कि वह फिल्मों में आए, लेकिन मैं उसके फैसले से भी खुश हूं।'

एक्सफोलिएट करते समय न करें ये गलतियां, त्वचा को हो सकता है नुकसान

त्वचा से गंदगी और मृत कोशिकाएं हटाने के लिए एक्सफोलिएशन करना जरूरी होता है। हालांकि, कई लोग इस प्रक्रिया में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको उन सामान्य गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहे। सही तरीके से एक्सफोलिएट करने से आप अपनी त्वचा को नई जान दे सकते हैं।

ज्यादा एक्सफोलिएट करना

कई लोग यह मानते हैं कि जितनी बार वे अपनी त्वचा को साफ करेंगे, उतनी जल्दी उनकी त्वचा साफ और चमकदार होगी। यह सोच सही नहीं है। ज्यादा एक्सफोलिएशन करने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है और त्वचा सूखी और बेजान हो जाती है। इससे त्वचा पर जलन और लालिमा भी हो सकती है। इसलिए हफ्ते में केवल 2-3 बार ही एक्सफोलिएट करें और धीरे-धीरे इसे अपनी त्वचा की जरूरत के अनुसार अपनाएं।

गलत स्क्रब का चयन

एक्सफोलिएशन के लिए सही स्क्रब का चयन करना बहुत जरूरी है। कई लोग आसानी से उपलब्ध स्क्रब का इस्तेमाल कर लेते हैं, जो कि सही नहीं है। गलत स्क्रब से आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। इसलिए हमेशा अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार स्क्रब चुनें और उसमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों। इसके अलावा स्क्रब में बहुत बड़े कण न हों ताकि आपकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

गीली त्वचा पर स्क्रब लगाना

कई लोग गीली त्वचा पर स्क्रब लगाते हैं, लेकिन यह तरीका सही नहीं होता। गीली त्वचा पर स्क्रब लगाने से वह सही तरीके से काम नहीं करता और त्वचा को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बेहतर होगा कि आप पहले अपनी त्वचा को साफ पानी से धो लें और फिर सूखी त्वचा पर हल्के हाथों से स्क्रब लगाएं। इससे स्क्रब सही तरीके से काम करेगा और आपकी त्वचा को पूरी तरह से फायदा पहुंचेगा।

अधिक दबाव डालना

कुछ लोग त्वचा को अधिक दबाव डालकर स्क्रब करते हैं, जिससे उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। अधिक दबाव डालने से त्वचा की ऊपरी परत हट जाती है, जिससे जलन और लालिमा हो सकती है। इसलिए हमेशा हल्के हाथों से ही स्क्रब करें और त्वचा को अधिक न खरोंचें। इससे आपकी त्वचा साफ भी होगी और उसे कोई नुकसान भी नहीं पहुंचेगा। सही तरीके से एक्सफोलिएट करने पर आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी।

सही समय पर न करना

एक्सफोलिएशन का सही समय बहुत अहमियत रखता है। कई लोग सुबह या रात दोनों समय एक्सफोलिएट करते हैं, जो सही नहीं है। सबसे अच्छा समय रात का होता है क्योंकि रात में त्वचा आराम करती है और नए सेल बनने की प्रक्रिया तेज होती है। सुबह में केवल हल्का टोनर या माइस्चराइजर इस्तेमाल करें। इस तरह आप अपनी त्वचा को सही तरीके से एक्सफोलिएट कर सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

नई तकनीकी सुविधाओं से होगा शिक्षा का विस्तारः गजेंद्र यादव

राज्य के स्कूलों में 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर लगाने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित जे. आर. दानी शासकीय कन्या उत्कृष्ट हिंदी माध्यमिक विद्यालय में आज 25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। चार दिनों तक चले इस आयोजन ने राज्यभर के विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक मंच पर प्रस्तुत किया और विद्यालय प्रांगण खेल भावना तथा ऊर्जा से गूंज उठा।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने 25वीं राज्य स्तरीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन अवसर पर राज्य के स्कूलों में 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर लगाने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता है और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

विद्यार्थियों को मिलेगा आधुनिक तकनीक का लाभ

स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल कंटेंट, ई-लर्निंग मॉड्यूल, वीडियो लेक्चर और इंटरैक्टिव पढ़ाई का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इससे कठिन विषयों को सरल और रोचक तरीके से समझना आसान होगा। वहीं 22 हजार कंप्यूटरों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा, इंटरनेट से जुड़ाव और डिजिटल स्किल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

ग्रामीण और वनांचल अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बेहतर होगा

इस योजना से खास तौर पर ग्रामीण और वनांचल अनुसूचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बड़ा लाभ होगा। अब उन्हें भी शहरों जैसी आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर से पढ़ाई में समान अवसर मिलेंगे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का स्तर बेहतर होगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद

स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट और अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। ऑनलाइन टेस्ट, प्रश्नपत्र और अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध होगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

शिक्षक और शिक्षा व्यवस्था को भी लाभ

स्मार्ट क्लास से केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि शिक्षक भी लाभान्वित होंगे। शिक्षक डिजिटल साधनों का उपयोग करके विषयों को और बेहतर ढंग से पढ़ा पाएंगे। ऑनलाइन संसाधनों की मदद से अध्यापन का स्तर ऊँचा होगा और कक्षाओं में सहभागिता बढ़ेगी।

भविष्य की ओर मजबूत कदम

गजेंद्र यादव ने कहा कि यह पहल राज्य को डिजिटल एजुकेशन के क्षेत्र में नई ऊँचाई पर ले जाएगी। आने वाले समय में विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में बल्कि तकनीक, नवाचार और कौशल विकास में भी आगे बढ़ पाएंगे। यह कदम राज्य के शिक्षा तंत्र को आधुनिक बनाने और विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

चार दिवसीय आयोजन में खेलों का रोमांच

इस प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितम्बर से 30 सितम्बर तक किया गया। राज्य के सभी संभागों के विभिन्न जोनों से आए खिलाड़ियों ने हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, सॉफ्ट टेनिस, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों का संघर्ष, अनुशासन और जीतने का जज़्बा दर्शकों के लिए प्रेरणादायी रहा। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर सभी खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साह और अधिक बढ़ा।

शिक्षा मंत्री का प्रेरक संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि जीवन स्वयं एक खेल है जिसमें जीत और हार दोनों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हारने वाले खिलाड़ी को कभी निराश नहीं होना चाहिए और जीतने वाले को अहंकार से दूर रहना चाहिए। मंत्री ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी समान रुचि रखनी चाहिए, क्योंकि खेल हमें जीवन जीने का उत्साह और अनुशासन सिखाते हैं।

खेल और शिक्षा का गहरा रिश्ता

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक स्वरूप तभी पूर्ण होता है जब उसमें खेल, कला और संस्कृति का समावेश हो। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, परिश्रम और सामूहिकता की भावना विकसित करते हैं। वहीं विधायक सुनील सोनी ने विद्यार्थियों को संस्कारों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि संस्कारवान विद्यार्थी ही आदर्श नागरिक बन सकते हैं और संस्कारों के बल पर ही जीवन की कठिनाइयों का सामना संभव है। कलेक्टर गौरव सिंह ने परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और विद्यार्थियों को उनमें सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है और विद्यार्थियों को अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे राज्य और देश का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को नई प्रेरणा और आत्मविश्वास मिलेगा, जो उन्हें जीवन की हर चुनौती का सामना करने में मदद करेगा।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

समारोह में विधायक मोतीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय परिवार तथा राज्यभर से आए विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि शिक्षा, खेल और संस्कृति के समन्वय से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है और यही उनकी सफलता की असली कुंजी है।

महासमुंद जिले में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण सुधार की उल्लेखनीय उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की रजत जयंती वर्ष में महासमुंद जिले ने महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण सुधार की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। महिला एवं बाल विकास विभाग के सतत प्रयासों से जिले में कुपोषण दर वर्ष 2017-18 के 33.18 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 16.32 प्रतिशत तक आ गई है। कुपोषण को दूर करने के लिए अमृत दूध योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, नवजात योजना, सुपोषण चौपाल, पोषण वाटिका और गर्म पका भोजन जैसी योजनाओं ने प्रभावी भूमिका निभाई है। गर्भवतियों और बच्चों को दूध, प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ, मोरिंगा बार, लड्डू और अंडे नियमित रूप से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एंव बाल विकास महासमुंद ने बताया कि विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, पूरक पोषण आहार, पोषण शिक्षा और शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा जैसी छह प्रमुख सेवाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। संजीवनी आंगनबाड़ी कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रों में शौचालय, पेयजल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, कूलर, टीवी आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य मापन हेतु इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, इन्फेंटोमीटर और स्टेडियोमीटर जैसी आधुनिक सामग्री भी दी गई है।

जिले में हर वर्ष वजन त्यौहार, पोषण माह, पोषण पखवाड़ा और स्तनपान सप्ताह का आयोजन कर कुपोषित बच्चों की पहचान की जाती है और उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों से जोड़ा जाता है। साथ ही बाल संदर्भ शिविरों में स्वास्थ्य जांच और निःशुल्क दवाईयाँ वितरित की जाती हैं। महासमुंद जिले में आंगनबाड़ी केन्द्र केवल पोषण ही नहीं बल्कि शिक्षा सुधार में भी योगदान दे रहे हैं। बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्ले स्कूल जैसी सुविधाएँ दी गई हैं। वहीं किशोरियों को ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के माध्यम से माहवारी स्वच्छता और पोषण संबंधी जानकारी दी जा रही है।

ई-गवर्नेंस की दिशा में भी जिले में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पोषण ट्रैकर ऐप, हमर स्वस्थ लइका ऐप और सम्मान सुविधा के जरिए कार्यों को पारदर्शी बनाया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मोबाइल उपलब्ध कराकर ऑनलाइन कार्य करने की सुविधा दी गई है।

हिन्दी हमारी संस्कृति, इसके बिना विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बेमानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हिन्दी मात्र एक भाषा नहीं बल्कि यह हमारी संस्कृति है, संस्कार है, चेतना है और भारत की आत्मा है। हिन्दी के उपयोग के बिना विकसित भारत की परिकल्पना नहीं की जा सकती। विकसित भारत की निर्माण में हिन्दी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राजभाषा के साथ-साथ संपर्क तथा समन्वय की भाषा भी है और भारत के विभिन्न राज्यों को एक सूत्र में पिरोती है।

यह विचार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां हिन्दी पखवाड़ा 2025 के समापन के अवसर पर "विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका" विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में विद्वान वक्ताओं द्वारा व्यक्त किये गये। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। विद्वान वक्ताओं के रूप में श्री शशांक शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, डॉ. चितरंजन कर सेवानिवृत्त प्राध्यापक, भाषा विज्ञान, तथा श्री गिरीश पंकज, वरिष्ठ साहित्यकार थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि भारत के विकास में हिन्दी ने अहम योगदान दिया है। हिन्दी में शिक्षा देने से अधिक लोगों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला है। हिन्दी में शैक्षिक सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता से विद्यार्थियों को अपनी मात्र भाषा में सीखने का अवसर मिल सकता है जिससे उन्हे ज्ञान प्राप्ति में आसानी होगी। हिन्दी एक साझा भाषा के रूप में देश के विभिन्न राज्यों के लोगों को जोड़ने में मदद कर सकती है जिससे आपसी संचार और एकता में आसानी होगी। भारत की समृद्ध सांस्कृत विरासत को संरक्षित और प्रसारित करने में हिन्दी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी तरह हिन्दी में व्यवसाय और व्यापार को बढ़ावा देने से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सकता है और रोजगार के अवसर पैदा किये जा सकते है।

विद्वान वक्ता के रूप में डॉ. चितरंजन कर ने कहा कि हिन्दी राजभाषा के साथ-साथ भारत की सामाजिक - सांस्कृतिक संपर्क भाषा भी है। यह हमारी संस्कृति है, अस्मिता है। उन्होनें कहा कि हिन्दी जनसंख्या के आधार पर विश्व में दूसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। आज भारत के अलावा दुनिया के अन्य कई देशों में भी हिन्दी बोली और पढ़ी जा रही है। जिस दिन हमारे देश वासियों में हिन्दी के प्रति गौरव की चेतना का विकास हो जाएगा, भारत तब एक विकसित देश के रूप में पहचान बना लेगा। वरिष्ठ साहित्यकार श्री गिरीश पंकज ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी पूरी दुनिया में फैल रही है लेकिन दुर्भाग्य है कि भारत में सिमटती जा रही है। इसका मुख्य कारण हम लोगों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रगौरव के भावना में कमी है। श्री पंकज ने कहा कि उन्होने दुनिया के अनेक देशों की यात्राऐं की है जहां उन्होने बड़ी संख्या में लोगों को हिन्दी बोलते और पढ़ते हुए देखा है खासकर मॉरीशस, फिज्जी, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनीडाड तथा अनेक यूरोपीय देशो में। उन्होने कहा कि हिन्दी में वैश्विक संपर्क भाषा बनने की क्षमता है। छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के उपरांत दो साल ग्यारह महिनों तक चली संविधान सभा की बैठकों में काफी अंतर्द्वदों के पश्चात हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई लेकिन आज भी हिन्दी के महत्व को रेखांकित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह अच्छी बात है कि नवीन शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा में शिक्षा देने पर जोर दिया गया है। उन्होने कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात देश के विकास और इसे एकजुट बनाए रखने हिन्दी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री शर्मा ने कहा कि हिन्दी के बिना विकसित भारत की निर्माण की परिकल्पना नहीं की जा सकती। भारत के सतत, स्थायी और समावेशी विकास में हिन्दी का योगदान महत्वपूर्ण होगा।

दुर्घटना कम करने सड़कों पर करें सुधारात्मक कार्यः सांसद चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद लोकसभा सांसद चौधरी की अध्यक्षता में गरियाबंद जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय सड़क मार्ग और राज्यकीय सड़क मार्ग के साथ-साथ ग्रामीण तथा वनांचल सड़कों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया।

सांसद चौधरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए विभिन्न सड़कों पर ब्लैक स्पाट एवं दुर्घटनाजन्य स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर सुधारात्मक कार्य करें। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक्र नियमों का पालन कराने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। सड़कों पर अवैधानिक अतिक्रमण एवं ड्रायविंग से विचलित करने वाले होर्डिंग को हटाने की कार्यवाही करे, इससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी, जिससे लोगों की जिन्दगी को बचाए जा सकते हैं। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। जिससे कि आम नागरिक इससे प्रेरित हो और वे लोग भी हेलमेट का उपयोग करे। सांसद चौधरी ने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सहायक सड़कों के दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने, रेडियम लगाने, रात्रि में अंधेरे की वजह से हो रही दुर्घटनाओं वाले स्थानों में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। सांसद ने स्कूली वाहनों एवं यात्री बसों में सड़क सुरक्षा मानकों का गंभीरता से पालन कराने के लिए कहा। बसों की समय समय पर फिटनेस जांच अनिवार्य रूप से किया जाए साथ ही इन वाहनों में ओवर स्पीडिंग एवं ओवर लोडिंग के प्रकरण में परिवहन विभाग को कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक राखेचा ने कहा कि यातायात नियमों का पालन एवं सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्गो को सहायक सड़कों से जोड़ने वाले जंक्शन पॉइंट पर गति अवरोध के लिए लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को चिन्हांकित स्थानों में आवश्यक कार्यवाही किया जाए। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक्र नियमों का सख्ती से पालन करने एवं आमजनों से हेलमेट के उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सड़क दुर्घटना रोकने, यातायात का उलंघन करने पर कार्यवाही, मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने की समझाईश दी जा रही है और कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि स्कूल, कॉलेजों एवं हाट-बाजारों में जागरूकता अभियान एवं नुक्कट नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विगत वर्षो की तुलना में इस वर्ष सड़क जागरूकता के आयोजन होने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए सौर क्रांति से जुड़ रहे लोग

रायपुर। जांजगीर-चांपा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने न केवल घर-घर में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है, बल्कि आमजन को महंगे बिजली बिल से भी राहत दिलाई है। जिले में बड़ी संख्या में लोग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं और सौर ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। जांजगीर शहर निवासी राजीव असाटी भी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर की छत पर 4 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम लगवाया है। पहले उन्हें हर महीने हजारों रुपये का बिजली बिल चुकाना पड़ता था।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

लकड़ी की तस्करी, वन विभाग ने की कार्रवाई

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में वन विभाग और हाथी मित्र दल की संयुक्त कार्रवाई में अवैध रूप से साल की लकड़ी ले जा रहे एक वाहन को जब्त किया गया। इस दौरान कुल 42 नग अवैध साल लकड़ी के चिरान बरामद किए गए। विभागीय अधिकारियों को सूचना मिली कि ग्राम झींगादोहर के पंडोपारा में एक वाहन में लकड़ी लोड की जा रही है। सूचना के आधार पर मुख्य वन संरक्षक और वनमंडलाधिकारी के निर्देशानुसार गठित टीम ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में 19 नग अवैध साल लकड़ी के चिरान पाए गए। साथ ही आस-पास के गन्ना और मक्का के खेतों में की गई जांच में 23 नग लकड़ी के चिरान और बरामद किए गए। वन विभाग ने इस मामले में वन अधिनियम, 1927 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रक ने मारी ठोकर, युवक की मौत

पेंड्रा। गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। हर्राटोला पुलिया के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा गौरेला-पेंड्रा के मुख्य मार्ग पर उस वक्त हुआ जब तीन युवक बाइक से यात्रा कर रहे थे। जैसे ही वे हर्राटोला पुल के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल युवकों को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। दोनों घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। तीनों युवक मध्यप्रदेश के मुंडा भेलमा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

इंस्टाग्राम से हुई दोस्ती, नाबालिग को अपने प्रेम जाल में फंसाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कोतरारोड़ पुलिस ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग बालिका को प्रेम जाल में फंसाकर भगाने वाले युवक और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। घटना 29 सितंबर 2025 का है, जब नाबालिग बालिका की मां ने थाना कोतरारोड़ में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 सितंबर की शाम अखिल सिदार शादी का झांसा देकर उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर घर से भगा ले गया। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 401/2025 धारा 137(2), 87 बीएनएस और 12 पॉक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

जांच में सामने आया कि बालिका की पहचान जून 2025 में इंस्टाग्राम के माध्यम से अखिल सिदार से हुई थी। दोनों में मोबाइल और वीडियो कॉल पर बातचीत होती थी और अखिल लगातार शादी का भरोसा दिलाता था। 28 सितंबर को वह मोटरसाइकिल से आया और बालिका को रायगढ़ रेलवे स्टेशन लेकर गया, जहां उसका साथी धर्मेन्द्र भी मौजूद था। बालिका ने घर लौटने की जिद की तो दोनों

उसे घर के पास छोड़कर भाग निकले। थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज और उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश की। मुखबिर की सूचना पर अखिल सिदार उर्फ घनश्याम सिदार (21 वर्ष) और धर्मेन्द्र सिंह मरावी (23 वर्ष) दोनों निवासी डोगीपेन्ड्री थाना बलौदा, जिला जांजगीर-चांपा को रायगढ़ रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (सीजी 11 बीके 3774) जब्त की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया है।

गैंगरेप रेप : 7 आरोपी हुए गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। चांपा में महिला से गैंगरेप मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 7 आरोपी को हिरासत में लिया है। CCTV से आरोपियों की पहचान हुई है और मामले की जांच में पुलिस की कई टीम लगी रही। महिला के SP ऑफिस पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आई थी। महिला के थाना पहुंचने पर मौजूद पुलिसकर्मी ने गंभीरता से नहीं लिया था, फिर पीड़ित महिला, जांजगीर में SP विजय पांडेय से ऑफिस में मिली। इसके बाद, महिला की मेडिकल जांच कराई गई और पुलिस टीम ने जांच शुरू की।

घटना 28 सितंबर की रात 10 से 11 बजे की है। महिला अपने घर जा रही थी। इस दौरान बाइक से युवक आए और उसे पकड़कर ले गए। इसके बाद युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया। दूसरे दिन 29 सितंबर को महिला, चांपा थाना गई तो मौजूद पुलिसकर्मी ने उसे यह कह दिया कि जाओ, आरोपियों को पकड़कर लाओ, फिर एफआईआर करेंगे। इसके बाद, पीड़ित महिला एसपी ऑफिस पहुंची और घटना से एसपी विजय पांडेय को अवगत कराया। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और महिला की मेडिकल जांच कराई गई। इस दौरान गैंगरेप की घटना के बाद पुलिस की कई टीम, जांच में जुटी थी और अब चांपा पुलिस ने 7 आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

धमतरी में पांच साल की मासूम से दरिंदगी, नवरात्रि की अष्टमी पर्व पर इंसानियत को किया शर्मसार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। नवरात्रि की अष्टमी के दिन जहां देशभर में कन्या पूजन का आयोजन हो रहा था, वहीं धमतरी के केरेगांव थाना क्षेत्र के सियादेही गांव से दिल दहला देने वाली खबर आई। यहां पांच साल की मासूम बच्ची के साथ कथित यौन अपराध की घटना हुई। मासूम की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है और उसे जिला अस्पताल धमतरी में भर्ती कराया गया है। घटना का विवरण सूत्रों के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे मासूम अपने माता-पिता के काम में व्यस्त होने के दौरान पास ही खेल रही थी। इसी समय गांव का युवक राकेश मंडावी ने बहला-फुसलाकर बच्ची को अपने पास बुलाया और उसके साथ दरिंदगी की। बताया जा रहा है कि पीड़िता आदिवासी समुदाय से है। उसके माता-पिता ईंट भट्टी में मजदूरी करके

परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बच्ची को भट्टी पर अपने माता-पिता के पास ही लाया गया था।

मासूम की चीख-पुकार सुनकर मजदूर साथी और माता-पिता मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में बच्ची को तुरंत जिला अस्पताल धमतरी लाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि मासूम की हालत नाजुक है और उसका उपचार जारी है। देशभर में कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर पूजने की परंपरा है। इस दौरान हुई दरिंदगी ने पूरे गांव और आसपास के लोगों को हिलाकर रख दिया। गांव और आसपास के क्षेत्रों में आक्रोश फैल गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि कानून को हाथ में लेने और निर्दोष बच्चों के साथ अत्याचार करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जाती।

केरेगांव थाना पुलिस ने आरोपी राकेश मंडावी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों और गवाहों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। धमतरी की यह घटना इंसानियत को शर्मसार करती है और यह दर्शाती है कि गांवों में भी कानून और नैतिकता का उल्लंघन करने वाले लोग मौजूद हैं। पुलिस और प्रशासन पर यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे अपराधियों को तुरंत पकड़कर कठोर सजा दिलाएं और समाज को संदेश दें कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस घटना ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा हर समुदाय और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मां ने शराब के लिए पैसे देने से किया मना, बेटे ने कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। सरगुजा में एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां की डंडे से पीट-पीटकर निर्मम हत्या महज इस बात के लिए कर दी, क्योंकि उसकी मां ने उसे शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए।

वहीं पूरे मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हत्यारे बेटे को तत्काल गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सेदम का है। यहां 27 वर्षीय सूखन साय ने अपनी ही सगी मां 50 वर्षीय तिजो बाई की डंडे से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी, क्योंकि उसे उसकी मां ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए।

मामले का खुलासा करते हुए खुद सीतापुर स्थ्हक्क राजेंद्र मंडावी

ने बताया कि उन्हें और उनकी बतौली पुलिस की टीम को ग्रामीणों जरिए सूचना मिली थी कि ग्राम से निवासी सूखन साय शराब पीने का आदि है और अक्सर शराब पीने के लिए घर के सामनों को बेच देता है और पैसे नहीं मिलने पर घरवालों से लड़ाई भी करता है, जिसने अपनी ही सगी मां से जब शराब पीने के लिए पैसे मांगे तो मां द्वारा पैसे नहीं है कहने पर उसने अपनी ही मां की डंडे से पीट-पीटकर उसकी हत्या दी। मामले में पुलिस ने आरोपी सूखन साय को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर सेंट्रल जेल अंबिकापुर भेज दिया है।

डोनेशन देने का झांसा देकर 20.50 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एनजीओ को 5 करोड़ रुपए का कॉर्पोरेट डोनेशन दिलाने का झांसा देकर 20.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी संतोष तिवारी (37 वर्ष) को दुर्ग पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी इंटेलिजेंस और ट्रेसिंग के माध्यम से उसे बक्सर जिले के पैतृक गांव से दबोच लिया। जानकारी के अनुसार, पद्मनाभपुर निवासी कृष्णकांत शर्मा ने पुरानी भिलाई थाना में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि इंदौर स्थित एक एनजीओ को डोनेशन दिलाने के नाम पर संतोष तिवारी ने उनसे संपर्क किया। तिवारी

ने खुद को कॉर्पोरेट कंपनियों से जुड़ा बताया और दावा किया कि वह 5 करोड़ रुपए का फंड एनजीओ के लिए दिलवा सकता है। इसके एवज में तिवारी ने स्कैनर कोड और यूपीआई ट्रांजेक्शन का माध्यम इस्तेमाल करते हुए 20.50 लाख रुपए ले लिए। पैसे लेने के बाद न तो तिवारी ने एनजीओ को कोई डोनेशन दिलाया और न ही राशि वापस की।

जब पीड़ित ने बार-बार संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपी ने मोबाइल बंद कर दिया और फरार हो गया। शिकायत पर थाना पुरानी भिलाई में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस की टीम दिल्ली और बिहार रवाना हुई। निशानदेही के आधार पर आरोपी के दिल्ली पते पर छानबीन की गई, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी सुरागों का पीछा किया और अंततः संतोष तिवारी को उसके पैतृक गांव आशा पड़री, थाना सिमरी, जिला बक्सर (बिहार) से गिरफ्तार किया। पूछताछ में तिवारी ने अपना जुर्म कबूल किया। उसे 30 सितंबर 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर भिलाई लाया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी समाजसेवा और एनजीओ को निशाना बना रहा था। कई एनजीओ को बड़ी कंपनियों से डोनेशन दिलाने का झांसा देकर लोगों को भरोसे में लेता था। वह खुद को कॉर्पोरेट कंपनियों से जुड़ा बताता और करोड़ों रुपये का फंड दिलाने का दावा कर मोटी रकम वसूल करता था। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी से अब अन्य एनजीओ और लोगों को ठगी के शिकार होने से बचाया जा सकेगा। फिलहाल आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा और पुलिस उसके अन्य संपर्कों और पुराने मामलों की जांच में जुटी है।

शराब के नशे में देवर ने की भाभी से मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में घरेलू विवाद का मामला उस समय हिंसक हो गया जब नशे में धुत देवर ने अपनी ही भाभी और सास पर हमला कर दिया। घटना थाना सिविल लाइन क्षेत्र के जय जवान पेट्रोल पंप के सामने सी ऑफिस भगतसिंह चौक के पास स्थित एक घर की है। पीड़िता ने इस घटना की शिकायत पुलिस से की है।

पीड़िता ने बताया कि घटना 29 सितंबर की रात करीब 10 बजे की है। उस समय उनके पति संजय शुक्ला नाइट ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उनका देवर सत्यम शुक्ला शराब के नशे में घर आया और घर में मौजूद सास मालती शुक्ला से विवाद करने लगा। पीड़िता के अनुसार, सत्यम शुक्ला ने सास मालती शुक्ला को डोकरी तेरे कारण घर में लड़ाई-झगड़ा होता है कहते हुए पहले गालियां दीं और फिर उन्हें दो-तीन थप्पड़ जड़ दिए।

जब भाभी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपी और अधिक आक्रामक हो गया। उसने भाभी और सास दोनों को माँ-बहन की गालियां देते हुए हाथ, मुक्कों और पास में पड़े डंडे से हमला कर दिया। मारपीट में पीड़िता को सिर और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं, जबकि सास मालती शुक्ला के सिर और गाल पर डंडे से वार किया गया, जिससे उन्हें भी गंभीर चोटें लगीं। घटना के बाद पीड़िता ने तत्काल फोन कर अपने पति संजय शुक्ला को इसकी जानकारी दी। पीड़िता ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सत्यम शुक्ला द्वारा दी गई गालियाँ बेहद अशोभनीय और अपमानजनक थीं। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ साक्ष्य और बयान जुटाए जा रहे हैं।

रायगढ़ में विवाहिता के आत्महत्या मामले में पति सहित चार आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले के चक्रधरनगर थाना क्षेत्र में विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। लगातार ससुराल पक्ष की प्रताड़ना और पति की मारपीट से परेशान होकर एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चक्रधरनगर पुलिस ने पति, सास, ससुर और चाचा ससुर को दुष्प्रेरण (अभिप्रेरण से आत्महत्या) के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

23 सितंबर को थाना चक्रधरनगर को थाना सिटी कोतवाली सारंगढ़ से मृतिका अमीषा सिंह की मृत्यु संबंधी मर्ग डायरी प्राप्त हुई। जांच में सामने आया कि अमीषा सिंह ने नवंबर 2022 में गजानंद सिंह राजपूत, निवासी संजय नगर बैंक कॉलोनी चक्रधरनगर से प्रेम विवाह किया था। शुरुआती छह

माह तक विवाहिता का जीवन सामान्य रहा, लेकिन धीरे-धीरे हालात बिगड़ने लगे। ससुराल पक्ष ने प्रेम विवाह को स्वीकार नहीं किया और अमीषा को बार-बार ताने दिए जाते थे। मृतिका ने अपने मायके वालों को कई बार बताया था कि पति और घरवालों का रवैया उसके प्रति बेहद कठोर है। पति गजानंद शराब पीकर रोजाना विवाद करता और अमीषा से मारपीट करता था।

लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना सहते हुए 30 अगस्त को अमीषा ने अपने घर में फांसी लगा ली। परिवार और स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायगढ़ पहुंचाया, जहां से उसकी हालत गंभीर देख रायपुर रफर किया गया। लेकिन रास्ते में सारंगढ़ के पास ही उसकी मौत हो गई और सारंगढ़ सीएचसी में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के मायके वालों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए। इसमें यह साफ हुआ कि अमीषा को पति गजानंद, सास जानकी बाई, ससुर संतोष कुमार राजपूत और चाचा ससुर शंकर राजपूत द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जाता था। मानसिक दबाव और प्रताड़ना के कारण ही उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई पुलिस ने 30 सितंबर को मामला दर्ज कर अपराध क्रमांक 432/2025 के तहत धारा 108, 3(5) बीएनएस के अंतर्गत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा की देखरेख में कार्य किया गया। कार्रवाई को सफल बनाने में सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सारथी, प्रधान आरक्षक श्यामदेव साहू और हमराह स्टाफ का अहम योगदान रहा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास, सीएम साय बोले-

2028-29 तक पूरा छत्तीसगढ़ होगा बाल विवाह मुक्त

बालोद जिला बना देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला, सूरजपुर की 75 पंचायतें भी हुईं शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 27 अगस्त 2024 को शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। राज्य का बालोद जिला पूरे देश का पहला जिला बन गया है, जिसे आधिकारिक रूप से बाल विवाह मुक्त घोषित किया जा सकता है। बालोद जिले की सभी 436 ग्राम पंचायतों और 09 नगरीय निकायों को विधिवत प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। सीएम साय ने कहा है कि हमारा लक्ष्य है कि चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2028-29 तक पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाए।

विगत दो वर्षों में बालोद जिले से बाल विवाह का एक भी मामला सामने नहीं आया। दस्तावेजों के सत्यापन और विधिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब जिले के सभी पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त का दर्जा मिल गया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ बालोद जिला पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन गया है। बालोद जिला कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और समुदाय की सामूहिक भागीदारी का परिणाम है। उन्होंने सभी पंचायतों और नगरीय निकायों को इस प्रयास में सक्रिय सहयोग देने के लिए धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले की 75 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया। विगत दो वर्षों में इन पंचायतों से भी बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। इसे राज्य सरकार ने सामाजिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है।

बाल विवाह उन्मूलन सामाजिक परिवर्तन का संकल्प : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बाल विवाह उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमारा लक्ष्य है कि चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2028-29 तक पूरे राज्य को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाए। यह केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अन्य जिलों में भी पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। जिन जिलों में पिछले दो वर्षों में बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, वहां शीघ्र ही प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

समाज और सरकार की साझेदारी से संभव : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि बालोद की यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि समाज और सरकार मिलकर कार्य करें तो बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। सूरजपुर की उपलब्धि भी इस दिशा में एक मजबूत कदम है। इस अभियान में यूनिसेफका सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। संगठन ने तकनीकी सहयोग, जागरूकता कार्यक्रम और निगरानी तंत्र को मजबूत करने में मदद की।

राष्ट्रीय स्तर पर एक मील का पत्थर

छत्तीसगढ़ की इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर एक मील का पत्थर माना जा रहा है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को गति देने में यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि छत्तीसगढ़ की तर्ज पर सामुदायिक भागीदारी और शिक्षा को केंद्र में रखकर काम किया जाए तो देश से बाल विवाह जैसी कुप्रथा का पूर्ण उन्मूलन संभव है। राज्य सरकार अब चरणबद्ध तरीके से अन्य जिलों को भी बाल विवाह मुक्त बनाने की तैयारी कर रही है। 2028-29 तक पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य न केवल राज्य, बल्कि देश को बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प के और निकट ले जाएगा।

उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है नवरात्रि : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय रायपुर शहर के विभिन्न गरबा महोत्सव में हुए शामिल, मातारानी का दर्शन कर लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवरात्रि के पावन पर्व पर विगत रात्रि राजधानी रायपुर स्थित विभिन्न गरबा समारोहों में शामिल हुए। उन्होंने मातारानी का दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर रायपुर शहर गरबा के रंग में सराबोर दिखाई दिया और हर तरफ़उत्सव का उल्लास वातावरण में व्याप्त था।

मुख्यमंत्री साय भानपुरी स्थित श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, आशीर्वाद भवन में श्री गुजराती लोहाणा महाजन समाज द्वारा आयोजित झणकारो 2025, इनडोर स्टेडियम में रंगीलो रास 2025 तथा ओमाया पार्क में रास गरबा उत्सव में सम्मिलित हुए। इन आयोजनों में समाजजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक कच्छ पगड़ी पहनाकर और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। गरबा की धुनों और रंगारंग माहौल में मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने जनसमूह में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया।

प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है। यह पर्व सामाजिक समरसता को और मजबूत करता है तथा जन-जन में ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में देवी को विभिन्न स्वरूपों में पूजा जाता है और मातृशक्ति के आशीर्वाद से प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी, धमतरी में मां अंगारमोती एवं बिलईमाता, सरगुजा और रतनपुर में मां महामाया, डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी जैसे अनेक स्वरूपों में माता प्रदेश में विराजमान हैं। इन सभी शक्तिपीठों का आध्यात्मिक महत्व न केवल प्रदेश की आस्था को मजबूत करता है बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के प्रथम दिन ही यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी रिफॉर्म लागू कर देश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की है। यह सुधार न केवल व्यापार को सुगम बनाएगा बल्कि उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ भी देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 'बचत उत्सव' के माध्यम से आम नागरिकों की जेब में पैसों की उल्लेखनीय बचत हो रही है और यह अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लोगों से आह्वान किया कि जब भी बाजार जाएँ तो स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी को प्राथमिकता दें। स्वदेशी से न केवल देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है और यही देश की समृद्धि का आधार बनेगा। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंडल आयोग के अध्यक्ष सहित कच्छ कड़वा पाटीदार समाज और श्री गुजराती लोहाणा महाजन समाज के वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय श्री राम कथा महोत्सव में हुए शामिलः जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान कोरबा नगरीय क्षेत्र स्थित भवानी मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने परिसर में राम कथा वाचन हेतु पधारे श्री श्री 1008 जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने महोत्सव में आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सभी को नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरू के कोरबा आगमन से ऊर्जाधानी की यह धरती धन्य हो गई है और उनका आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन माटी माता कौशल्या का मायका है तथा हमारे आराध्य भगवान श्री राम का ननिहाल भी। यहां प्रभु श्री राम ने माता सीता एवं भाई लक्ष्मण के साथ अपने वनवास के दौरान अधिकांश समय व्यतीत किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हमारा राज्य विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश में नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे बहादुर जवान साहसपूर्वक नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं और हमें लगातार सफलता प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के दर्शन का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भवानी मंदिर एवं नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर पहुँचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच माता भवानी की प्रतिमा पर नारियल, पुष्प, चंदन एवं फल अर्पित कर आरती की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर में माता कौशल्या की मूर्ति का नमन किया। इस मंदिर में माता कौशल्या की गोद में बाल रूप में भगवान श्री राम की भव्य प्रतिमा स्थापित है, जो मंदिर का मुख्य आकर्षण है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन कर निर्माण कार्य की सराहना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से भेंट कर उनका हालचाल जाना। स्थानीय श्रद्धालु एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा प्रवास के दौरान शहर के घंटाघर ओपन थिएटर मैदान में आयोजित रामलीला महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने नगरवासियों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि पर्व हमें शक्ति, भक्ति और सद्भाव का संदेश देता है। इन नौ दिनों में हम माता के नौ रूपों की आराधना करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को रामलीला महोत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलीला हमारे जीवन मूल्यों और आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि रामलीला देखकर बचपन की स्मृतियाँ ताज़ा हो गईं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय एवं अन्य अतिथियों का स्वागत राम दरबार की प्रतिकृति, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महापौर संजू देवी राजपूत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नवरात्र में माँ दुर्गा की आराधना कर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने दिया सद्भाव का संदेश

उपमुख्यमंत्री शर्मा माँ दुर्गा की महाआरती में शामिल हुए, भजन सेवा की, नवरात्र पर्व पर किया मंदिरों एवं पंडालों का दर्शन, नवरात्रि महापर्व पर कन्या पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के कवर्धा और आसपास के माँ दुर्गा मंदिरों व पंडालों में पहुंचे। उन्होंने यहां विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उपमुख्यमंत्री ने महाआरती में भाग लिया, श्रृंगार सामग्री अर्पित की और सेवा मंडली के साथ माता सेवा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने काली मंदिर, दंतेश्वरी मंदिर, चंडी मंदिर, परमेश्वरी मंदिर और ठाकुरपारा, कुम्हारपारा, राजमहल चौक, भोरमदेव रोड एवं सकरहा घाट में स्थापित दुर्गा पंडालों का दर्शन किया। उपमुख्यमंत्री ने दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं से भेंटकर नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने छीरपानी कॉलोनी, माँ विंध्यवासिनी मंदिर, महामाया मंदिर और जनपद पंचायत कार्यालय के पास स्थित पंडालों में भी मां दुर्गा के दर्शन किए और बच्चों की खेल प्रतियोगिता में भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वीर सावरकर सभागार, कवर्धा में आयोजित कन्या पूजन एवं भोजन कार्यक्रम में भी भाग लेकर बालिकाओं का पूजन किया और उन्हें भोजन कराया। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन नवरात्रि पर्व की आत्मा है और यह नारी शक्ति, मातृशक्ति एवं बालिकाओं के प्रति आदर-सम्मान का प्रतीक है। समाज में स्त्रियों का सम्मान और सशक्तिकरण ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि शक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पर्व है, जो हमें माता दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना कर सकारात्मक प्रेरणा देता है। उपवास, साधना, कन्या पूजन और सामूहिक भक्ति समाज में भाईचारा, सद्भाव और सेवा का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने सभी से नवरात्रि पर्व को श्रद्धा, भक्ति और आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

इस अवसर पर शर्मा ने सांसद संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद अध्यक्ष गणपत सुषमा बघेल और जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950